दैनिक हिन्दी अख़बार
सच बेधड़क
www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak
YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak
वर्ष: 3 I अंक: 242 जयपुर, शनिवार, 10 अगस्त, 2024 I श्रावण, शुक्ल पक्ष-षष्ठी , विसं 2081 पृष्ठ: 10 | मूल्य: 2.00

विधानसभा स्पीकर ने दिल्ली में 16वीं राजस्थान विधानसभा में किए गए नवाचारों की दी जानकारी

देवनानी ने प्रधानमंत्री मोदी और लोकसभा अध्यक्ष से की मुलाकात

■ लोकसभाध्यक्ष ओम बिरला, नितिन गडकरी, भूपेंद्र यादव, अर्जुनराम मेघवाल और गजेंद्र शेखावत से की शिष्टाचार भेंट

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी शुक्रवार को दिल्ली यात्रा पर रहे। देवनानी ने दिल्ली में संसद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिष्टाचार मुलाकात की।

स्पीकर देवनानी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उनके नेतृत्व में तीसरी बार बनी केंद्र सरकार के कार्यकाल के लिए आत्मीय अभिनंदन किया। उन्होंने भारत की जनता द्वारा प्रधानमंत्री मोदी पर किए गए भरोसे को ऐतिहासिक बताया। इस दौरान देवनानी ने प्रधानमंत्री मोदी को पुष्प गुच्छ, भगवान झूलेलाल की तस्वीर, विभाजन विभीषिका पुस्तक की प्रति और चैत्र शुक्ल प्रतिपदा विक्रम संवत 2081 से आरंभ राजस्थान विधानसभा डायरी भेंट की।

जताया प्रधानमंत्री का आभार

स्पीकर देवनानी ने प्रधानमंत्री मोदी की पहल पर वर्ष 2021 से 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाए जाने की शुरुआत करने के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया। मुलाकात के दौरान देवनानी ने प्रधानमंत्री को बताया कि उनके परिवार ने भी विभाजन का दंश झेला था। देवनानी ने प्रधानमंत्री से सिंधी समाज के गौरवशाली इतिहास के बारे में भी चर्चा की।

लोकसभा अध्यक्ष बिरला से की शिष्टाचार भेंट

देवनानी ने संसद भवन में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से भी शिष्टाचार भेंट की। उन्होंने बिरला के साथ राजस्थान विधानसभा में किए जा रहे नवाचारों के संबंध में विस्तार से चर्चा कर आवश्यक सुझाव प्राप्त किए।

पीएम मोदी ने स्पीकर के कृतित्व को सराहा

देवनानी ने प्रधानमंत्री मोदी को 16वीं राजस्थान विधानसभा में किए गए नवाचारों की जानकारी दी। स्पीकर ने प्रधानमंत्री मोदी को विधानसभा में किए गए नवाचारों का फोल्डर भी भेंट किया। प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय नव वर्ष से प्रारंभ की गई राजस्थान विधानसभा की डायरी को देखा। प्रधानमंत्री ने देवनानी को इस प्रकाशन के लिए बधाई देते हुए कहा कि डायरी में प्रत्येक महीने के आरंभ में प्रकाशित महापुरुषों के चित्र गौरवान्वित करते हैं। पीएम ने विधानसभा की डायरी के रह माह के प्रथम पृष्ठ को भी देखा। मोदी ने विधानसभा में किए गए नवाचारों की सराहना की। देवनानी ने प्रधानमंत्री को बताया कि विधानसभा को गुजरात विधानसभा की तर्ज पर पेपरलेस बनाए जाने के लिए नेवा परियोजना का कार्य आरंभ कर दिया गया है।

जरूरी खबर

सरस दूध 2 रुपए लीटर हुआ महंगा

जयपुर। जयपुर में सरस दूध के दाम बढ़ गए हैं। जयपुर जिला दुग्ध उत्पादन सहकारी संघ (जयपुर डेयरी) की बढ़ी हुई कीमतें 11 अगस्त की शाम को होने वाली सप्लाई से लागू होगी। डेयरी प्रशासन ने दूध के सभी ब्रांड पर 2 रुपए प्रति लीटर का इजाफा किया है। जयपुर डेयरी के एमडी मनीष फौजदार ने बताया- वर्तमान में सरस टोंड (नीला) 50 रुपए लीटर, स्टैंडर्ड (हरा) 56 रुपए, गोल्ड 64 रुपए और डबल टोंड 42 रुपए प्रति लीटर मिल रहा है। 11 अगस्त को कीमतें बढ़ने के बाद सरस टोंड (नीला) 52 रुपए लीटर, स्टैंडर्ड (हरा) 58 रुपए, गोल्ड 66 रुपए और डबल टोंड 44 रुपए प्रति लीटर मिलने लगेगा।

मनीष सिसोदिया को शीर्ष अदालत ने दी जमानत

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया शुक्रवार को 17 महीने बाद तिहाड़ जेल से बाहर आ गए। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार दोपहर को उन्हें दिल्ली शराब नीति घोटाले से जुड़े CBI और ED के केस में जमानत दी। जेल से बाहर आने के बाद सिसोदिया ने AAP कार्यकर्ताओं और समर्थकों से कहा, 'संविधान और लोकतंत्र की ताकत से जमानत मिली है। सुप्रीम कोर्ट का दिल से धन्यवाद है। यही ताकत हमारे नेता अरविंद केजरीवाल को भी जेल से रिहा कराएगी।' -पेज 7 भी देखें

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अखबार
अख़बार की प्रति प्राप्त करने के लिए
+91 96640 14179
+91 97830 45155
पर सम्पर्क कर अपना पता नोट करवाएं।

सोशल मीडिया में इंस्टाग्राम का किया दुरुपयोग...

PM मोदी को जान से मारने की धमकी

आईबी हुई अलर्ट: राजस्थान से दो गिरफ्तार

बेधड़क | जयपुर/नई दिल्ली

आईबी की तीन सदस्यीय टीम ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इंटरनेट मीडिया इंस्टाग्राम पर धमकी देने के मामले में राजस्थान के डीग जिले में दबिश देकर दो युवकों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार करने के बाद दोनों युवकों को पहाड़ी पुलिस थाने में लाकर पूछताछ की गई। युवकों के नाम राहुल मेव और शाकिर मेव है। पुलिस के अनुसार ये दोनों युवक साइबर ठगी भी करते हैं। मालूम हो कि पीएम मोदी को इंस्टाग्राम पर जान से मारने की धमकी दी गई थी, इसके बाद जांच एजेंसियां सक्रिय हुई।

आरोपियों से पहाड़ी थाने में की पूछताछ

दरअसल, इंटेलिजेंस ब्यूरो की टीम शुक्रवार को डीग जिले के पहाड़ी थाना पहुंची। बताया गया कि स्थानीय पुलिस के साथ आईबी टीम ने शुक्रवार तड़के दबिश दी। जिसके बाद दो युवकों को पहाड़ी थाना पुलिस के सहयोग से डिटेन कर उनसे थाने में पूछताछ की। आईबी की टीम के जाने के बाद पहाड़ी थाना पुलिस ने दोनों युवकों को साइबर ठगी के मामले में गिरफ्तार किया है। दोनों युवकों के पास से फर्जी सिम बरामद की है। दोनों आरोपी सोशल मीडिया पर हथियार बेचने का विज्ञापन डालकर लोगों को अपने झांसे में फंसाते थे।

साइबर ठगी में दोनों को किया गिरफ्तार

जानकारी के अनुसार दोनों आरोपी साइबर ठगी करते हैं। पहाड़ी थाना पुलिस ने आईबी की टीम के चले जाने के बाद दोनों युवकों को साइबर ठगी के मामले में गिरफ्तार कर 13 फर्जी सिम बरामद की है। दोनों आरोपी सोशल मीडिया पर हथियार बेचने का विज्ञापन डालकर लोगों को अपने झांसे में फंसाकर ठगी करते थे।

हथियार का विज्ञापन देख मोदी को धमकी देने वाले ने किया था कॉल

हथियार का विज्ञापन को देख कर ही पीएम को धमकी देने वाले व्यक्ति ने एक साइट के जरिए संपर्क किया था। एक आरोपी ने अपना मोबाइल को तोड़ दिया, जिसके चलते पुलिस और जांच एजेंसी को जांच में परेशानी आ रही है। हालांकि पुलिस के हाथ सबूत नहीं लगे हैं। पुलिस हर पहलू से मामले की जांच में जुटी है और पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि प्रधानमंत्री को धमकी देने वाला आरोपी कौन है।

पुलिस मेवात में लगातार दे रही है दबिश

पुलिस सूत्रों के मुताबिक डीग जिला पुलिस और इंटेलीजेंस ब्यूरो की टीम कई दिनों से मेवात इलाके में संदिग्धों के यहां दबिश दे रही है। इस दौरान पुलिस ने करीब 19 संदिग्धों को 3 दिन पहले गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया था। इसके अलावा 6 संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

ऐसे दबोचे गए आरोपी

बता दें, पीएम नरेंद्र मोदी को इंस्टाग्राम पर जान से मारने की धमकी का एक मामला सामने आया था, जिसके चलते गृह विभाग सहित सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गईं और धमकी देने वाले आरोपी की जांच में जुट गईं। जिस आरोपी के द्वारा फोन नंबर से धमकी दी गई थी उसने डीग जिले के पहाड़ी थाना इलाके के गांव दहाना में किसी से बातचीत की थी। इसी के चलते आईबी की टीम डीग के मेवात क्षेत्र पहुंची।

राहुल और साकिर नाम हैं आरोपियों के

जहां से पहाड़ी थाना पुलिस को साथ लेकर शुक्रवार सुबह दहाना गांव में दबिश दी। सीओ गिर्राज मीणा ने बताया कि आईबी की टीम ने स्थानीय पुलिस के सहयोग से राहुल और साकिर को डिटेन कर पूछताछ की, लेकिन कोई खास जानकारी नहीं मिल पाई। शुक्रवार को पूछताछ के बाद आईबी की तीन सदस्यीय टीम जयपुर रवाना हो गई।

भारत के लाल ने दिलाया देश को छठा पदक

अमन सहरावत ने दिलाया रेसलिंग में कांस्य पदक

एजेंसी | पेरिस

ओलंपिक 2024 में भारत के अमन सहरावत ने 57 किलोग्राम वर्ग में परचम लहरा दिया। अमन ने कड़े मुकाबले में प्यूर्टो रीको के रेसलर को 13-5 से हराकर ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम कर लिया। इस तरह पेरिस ओलंपिक के 14वें दिन भारत की झोली में छठा मेडल आ गया है। भारत के अमन सहरावत ने पहले ही राउंड में अपना दबदबा बनाते हुए अपने विरोधी पर 6-3 की बढ़त बना ली थी। इसके बाद दूसरे राउंड में भी अमन ने अपनी बढ़त को बरकरार रखा था।

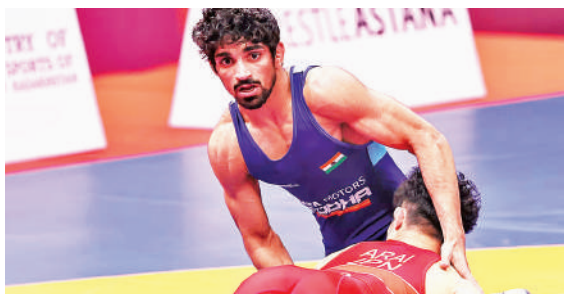

आखिरी क्षणों में अनबिटन बढ़त

आखिर के बचे हुए दो मिनट के खेल में अमन ने प्यूर्टो रीको के रेसलर पर 8-5 की बढ़त बना ली थी। इस दौरान क्रूज डेरियन टोई अमन के बिल्कुल ही बेदम नजर आए। हालत ऐसी हो गई की उन्हें ब्रेक तक लेना पड़ गया। आखिर के बचे हुए एक मिनट में तो अमन ने 12-5 की लीड हासिल कर ली थी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने की राज्यपाल बागड़े से मुलाकात

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को राजभवन पहुंचकर राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े से मुलाकात की। इस दौरान प्रदेश से जुड़े विभिन्न जनहितकारी विषयों पर उनके साथ सार्थक चर्चा की। मुख्यमंत्री ने राज्यपाल से सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं के बारे में जानकारी साझा की और आपदा प्रबंधन को लेकर उठाए गए कदमों के बारे में भी जानकारी दी। इसके अलावा राजस्थान विधानसभा के बजट सत्र को लेकर भी चर्चा हुई।

हाल-ए-मौसम

जयपुर सहित प्रदेश के दो दर्जन जिलों में बारिश का दौर जारी

- नया परिसंचरण तंत्र सक्रिय, 5 से 6 दिन तक बारिश की संभावना
- बीकानेर के खाजूवाला में तेज बारिश के चलते बाढ़ के हालात
- महवा में सर्वाधिक 195 व हनुमानगढ़ में 54 MM बारिश

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में मानसून की सक्रियता के चलते कई जिलों में बारिश का दौर फिलहाल जारी है। शुक्रवार को जयपुर सहित प्रदेश के 20 से अधिक जिलों में बारिश का दौर चला। बीकानेर के खाजूवाला में तेज बारिश के चलते बाढ़ के हालात हो गए।

यहां निचले इलाकों में पानी भर जाने से स्थानीय लोगों को खासी परेशानी हुई। इसी प्रकार कोटपूतली-बहरोड़ जिले के बानसूर कस्बे में शुक्रवार सुबह से बरसात का दौर चला, जिससे इलाके की सड़के जलमग्न हो गई। वहीं, अजमेर में एक बिल्डिंग ढह गई, हालांकि, यहां कोई जानमाल का नुकसान नहीं है।

मौसम विभाग के ताजा अपडेट के अनुसार प्रदेश में एक नए परिसंचरण तंत्र के सक्रिय होने से पूर्वी राजस्थान के अनेक भागों में मध्यम से तेज बारिश की गतिविधियां आगामी एक सप्ताह तक जारी रहने की संभावना है। हरियाणा के ऊपर बना परिसंचरण तंत्र अभी उत्तर-पूर्वी राजस्थान के ऊपर स्थित है। शुक्रवार को जयपुर, अजमेर व भरतपुर संभाग में कहीं-कहीं भारी बारिश व कहीं-कहीं अतिभारी बारिश हुई जिससे आमजनजीवन प्रभावित हुआ।

पिछले 24 घंटों में बारिश का यूं रहा आंकड़ा

पिछले 24 घंटों में पश्चिमी राजस्थान में कहीं कहीं पर तथा पूर्वी राजस्थान में कुछ स्थानों पर मेघगर्जन के साथ वर्षा दर्ज की गई है व अलवर, जयपुर , बाँसवाड़ा में भारी वर्षा तथा दौसा एवं भरतपुर जिले में अति भारी वर्षा दर्ज की गई है। पूर्वी राजस्थान में सर्वाधिक बारिश दौसा जिले के महवा में 195 एमएम व पश्चिमी राजस्थान के डबली राठान , हनुमानगढ़ में 54 एमएम बारिश दर्ज की गई है। इसी प्रकार तापमान की बात करें तो पिछले 24 घंटों में राज्य में सर्वाधिक अधिकतम तापमान 36.0 डिग्री श्रीगंगानगर तथा सर्वाधिक न्यूनतम तापमान 29.4 डिग्री श्रीगंगानगर में दर्ज किया गया।

केंद्रीय मंत्रियों से मिले विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी

बेधड़क | नई दिल्ली
राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की संसद भवन नई दिल्ली में शुक्रवार को केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र सिंह यादव, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर राजस्थान विधानसभा में किए जा रहे नवाचारों के संबंध में उनसे विस्तार से चर्चा कर आवश्यक सुझाव प्राप्त किए। इसके साथ ही विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने केंद्रीय सड़क व राजमार्ग मंत्री नितिन गड़करी, केंद्रीय पर्यटन व संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और केंद्रीय कानून व न्याय राज्यमंत्री अर्जुनराम मेघवाल से भेंटकर भी उन्हें बधाई दी। देवनानी ने सभी को पुष्पगुच्छ और कालजयी भारतीय ज्ञान तथा विश्व गुरु भारत पुस्तकें भेंट कर उन्हें नए दायित्वों के उत्कृष्ट निर्वहन के लिए शुभकामनाएं दीं।

मदन राठौड़ से शिष्टाचार भेंट

नई दिल्ली में प्रदेश सरकार में गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म, भीलवाड़ा सांसद व भाजपा प्रदेश महामंत्री दामोदर अग्रवाल, एवं पूर्व सांसद सुखबीर सिंह जौनापुरिया ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ से उनके आवास पर शिष्टाचार मुलाकात की और संगठन एवं विकास के मुद्दों पर चर्चा की।

जरूरी खबर

जयपुर से जोधपुर के बीच जल्द दौड़ेगी इलेक्ट्रिक ट्रेन

जयपुर। राइकाबाग से फुलेरा रेलवे स्टेशनों के बीच रेल विद्युतीकरण का कार्य पूरा होने के साथ ही जोधपुर की दिल्ली से इलेक्ट्रिक ट्रेन से सीधी कनेक्टिविटी हो गई है। उत्तर पश्चिम रेलवे के प्रधान मुख्य बिजली इंजीनियर मनीष कुमार गुप्ता के निर्देशन में डेगाना-फुलेरा रेल खंड के मकराना से फुलेरा रेलवे स्टेशनों के बीच इलेक्ट्रिक लोको 110 किलोमीटर प्रतिघंटा की स्पीड से दौड़ा कर सफल रन ट्रायल लिया गया। अब जल्द ही जोधपुर से जयपुर के बीच इलेक्ट्रिक ट्रेन का संचालन हो प्रारंभ हो सकेगा।

CM ने लगाई 'हर घर तिरंगा' प्रोफाइल पिक

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर दो साल पहले शुरू हुए हर घर तिरंगा अभियान को इस बार भी केन्द्र और राज्य सरकारें अभियान के रूप में चलाएगी। सीएम भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को अपने सोशल अकाउंट की प्रोफाइल पिक्चर तिरंगे से बदलकर लोगों से भी हर घर तिरंगा लगाने का आह्वान किया। प्रदेश में राज्य सरकार के स्तर पर 13 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान चलेगा। अभियान के तहत प्रदेश भर में तिरंगा यात्रा, तिरंगा रैली, तिरंगा दौड़, मैराथन और तिरंगा कॉन्सर्ट्स, तिरंगा कैनवास, तिरंगा प्लेज, तिरंगा सेल्फी, तिरंगा ट्रिब्यूट एवं तिरंगा मेलों का आयोजन किया जाएगा। प्रदेश में हर घर, सरकारी दफ्तर, गली, नुक्कड़ तक तिरंगा लहराए।

CM आज करेंगे मीरा महोत्सव का शुभारंभ

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एक दिवसीय दौरे पर शनिवार को नागौर जिले के मेड़ता सिटी जाएंगे। मुख्यमंत्री शनिवार को मेड़ता सिटी में शुरू हो रहे आठ दिवसीय मीरा महोत्सव के शुभारंभ कार्यक्रम और उसके बाद जनसभा में शिरकत करेंगे। जिला कलेक्टर ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 10 अगस्त को सुबह पौने दस बजे मेड़ता सिटी हेलिपैड पहुंचेंगे। यहां से सीएम सड़क मार्ग से भक्त शिरोमणि मीरा बाई के मंदिर पहुंचेंगे। सीएम 11 बजे मंदिर में झंडारोहण कर आठ दिवसीय मीरा महोत्सव का औपचारिक शुभारंभ करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री भजनलाल वहां से कृषि उपज मंडी प्रांगण पहुंचेंगे, जहां वे जनसभा को संबोधित करेंगे।

प्रदेश अध्यक्ष ने राज्यसभा में उठाया बाल भिक्षावृत्ति का मुद्दा, कहा...

बच्चों को अगवा कर मंगवाई जा रही भीख: मदन राठौड़

बेधड़क । नई दिल्ली/जयपुर
भीख मांगना एक सामाजिक बुराई के साथ ही कलंक भी है। खास तौर पर बाल भिक्षावृत्ति, जिसे जड़ से मिटाने के लिए पूर्व में भी कई तरह के प्रयास किए गए, लेकिन उसमें सफलता नहीं मिली। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व राज्यसभा सदस्य मदन राठौड़ ने शुक्रवार को इस मुद्दे को सदन में उठाया। राठौड़ ने देश में बढ़ रहे बाल भिक्षावृत्ति जैसे गंभीर मुद्दे को राज्यसभा में उठाते हुए ऐसे बच्चों के पुनर्वास की समुचित व्यवस्था करने की मांग की। उन्होंने कहा कि सरकार और समाज को मिलकर जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। इसके साथ ही देश में बाल भिक्षुकों की बायोमेट्रिक पहचान के साथ पुनर्वास की समुचित व्यवस्था होनी चाहिए, ताकि ये बच्चे फिर से इस दलदल में न फंसे। उन्होंने कहा कि आज देश में ऐसे गिरोह सक्रिय हैं, जो बच्चों को अगवा कर उनसे भीख मंगवाने का काम कर रहे हैं। राठौड़ ने कहा कि आज देश के अधिकांश चौराहों पर संगठित गिरोहों द्वारा छोटे बच्चों का अपहरण कर उनके अंगों को क्षतिग्रस्त कर उनसे भीख मंगवाने का काम किया जा रहा है। इतना ही नहीं चौराहों पर कुछ महिलाएं तो कुपोषित नजर आने वाले बच्चों को लेकर उनके पालन पोषण के नाम पर भीख मांगती हैं। इतना ही नहीं इन बच्चों को ड्रग्स देकर नशा भी करवाया जाता है। ऐसे में इन मासूम बच्चों के सुनहरे भविष्य के लिए केंद्र सरकार को विशेष मुहिम चलाकर पुनर्वास सहित तमाम सुविधा करने की पहल करनी चाहिए।

जागरूकता अभियान के साथ पुर्नवास की जरूरत

मदन राठौड़ ने कहा कि भिक्षावृत्ति में लिप्त इंसान की सामाजिक पहचान खत्म हो जाती है। लोग उसे हिकारत की नजरों से देखते हैं। मौलिक रूप से उसका सामाजिक बहिष्कार होने लगता है। ऐसे में केंद्र सरकार को देशव्यापी अभियान चलाकर बाल भिक्षावृत्ति करने वालों की पहचान कर जनगणना करनी चाहिए। साथ ही छोटे मासूम बच्चों के लिए विशेष पुनर्वास कार्यक्रम तैयार कर उनको शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बच्चों के साथ अन्य भिक्षुकों के लिए भी कौशल विकास के क्षेत्र में रोजगार और स्वरोजगार के अवसर तलाशने की जरूरत है, वहीं हमारे समाज में भिक्षावृत्ति जैसी अवैध कुप्रथा को समाप्त करने के लिए जागरूक करने की पहल करनी चाहिए।

देश की छवि हो रही धूमिल

मदन राठौड़ ने सदन में आग्रह किया कि इस संबंध में अंतर विभागीय और अंतर मंत्रालयी समन्वय के लिए मैकेनिज्म विकसित किए जाने की आवश्यकता है। आज देश में भिक्षावृत्ति आपराधिक गिरोहों द्वारा बड़े पैमाने पर करवाई जा रही है। इसमें धार्मिक तीर्थ स्थलों के साथ ही पर्यटन स्थलों और मुख्य बाजारों में कुछ महिलाएं छोटे मासूम बच्चों के साथ भिक्षा मांगते नजर आती हैं। ऐसे में विदेशी पर्यटकों के सामने जहां देश की छवि धूमिल होती है, वहीं दूसरी ओर एक संगठित गिरोह द्वारा अपहरण कर बाल शोषण जैसे कृत्य को अंजाम दिया जा रहा है। मासूम बच्चों को ड्रग्स जैसे नशे की लत लगाकर भिक्षावृत्ति करवाई जा रही है। दया, सहानुभूति और मानवीय भावनाओं का लाभ उठाकर ये लोग भिक्षावृत्ति का गोरखधंधा चला रहे हैं। साथ ही बच्चों का शोषण कर रहे हैं।

सांसद चुन्नीलाल गरासिया ने उठाया रेलवे कार्यों की प्रगति का मुद्दा

नई दिल्ली। संसद सत्र के दौरान राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया ने राज्यसभा में तारांकित प्रश्न के माध्यम से उदयपुर में रेलवे कार्यों की प्रगति का मुद्दा उठाया। चुन्नीलाल गरासिया ने राज्यसभा में रेल मंत्री से तारांकित प्रश्न के माध्यम से भारत सरकार से पूछा कि क्या सरकार ने उदयपुर से हिम्मतनगर होकर असारवा तक रेल मार्ग पर आमान परिवर्तन का कार्य पूरा कर लिया है। इस परियोजना के लंबित कार्यों का कार्य-वार ब्योरा क्या है और सरकार शेष कार्यों को कब तक पूरा करने का विचार रखती है? गरासिया के सवाल का जवाब देते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि उदयपुर-हिम्मतनगर-असारवा रेल लाइन

(299 किमी) का आमान परिवर्तन कार्य पूरा कर लिया गया है। हिम्मतनगर से असारवा खंड को 2019 में तथा उदयपुर-हिम्मतनगर खंड को 2022 में कमीशन कर दिया गया है। असारवा-हिम्मतनगर खंड में पहली रेलगाड़ी अक्टूबर 2019 में शुरू की गई थी और असारवा-हिम्मतनगर- उदयपुर में पहली रेलगाड़ी अक्टूबर 2022 में शुरू की गई थी। इस परियोजना पर 3976.21 करोड़ का व्यय किया गया है। वर्तमान में 5 जोड़ी रेलगाड़ी सेवाएं उदयपुर-हिम्मतनगर-असारवा खंड के यात्रियों की जरूरतों को पूरा कर रही हैं। हिम्मतनगर-असारवा खंड पर विद्युतीकरण का कार्य पूरा कर लिया गया है तथा उदयपुर-हिम्मतनगर खंड पर विद्युतीकरण का 80 प्रतिशत कार्य पूरा कर लिया गया है। 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के तहत उदयपुर सिटी रेलवे स्टेशन के वृहद उन्नयन कार्य को अगस्त-2022 में 354.01 करोड़ की लागत पर मंजूरी दी गई है।

चूरू सांसद राहुल कस्वां ने लोकसभा में उठाया फसल बीमा क्लेम का मुद्दा

दिल्ली। चूरू सांसद राहुल कस्वां ने लोकसभा में शून्यकाल के तहत प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में पिछले कुछ वर्षों में बकाया चल रहे फसल बीमा क्लेम का मुद्दा उठाया। उन्होंने सदन में कहा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत चूरू संसदीय क्षेत्र में खरीफ-2021 का बीमा क्लेम लगभग 750 करोड़ रुपए स्वीकृत हुआ, लेकिन किसानों को आज दिन तक मात्र 250 करोड़ रुपए ही मिले हैं। किसानों के 500 करोड़ रुपए अभी तक नहीं मिल पाए हैं। खरीफ-2021 के फसल बीमा क्लेम को लेकर राज्य सरकार की कमेटी- STAC की विगत 8 महीनों से मीटिंग नहीं हो पा रही है, जबकि हमारे किसानों को अपने हक के लिए आए दिन धरना प्रदर्शन करना पड़ रहा है, इसलिए राजस्थान सरकार किसान हितों को सर्वोपरि रखते हुए STAC की मीटिंग जल्द से जल्द बुलाकर खरीफ-2021 का बकाया बीमा क्लेम जारी करे। योजना की गाइडलांइस के

मुताबिक फसल बीमा क्लेम जारी होने में देरी होती है तो मूल राशि के साथ 12% ब्याज का प्रावधान है। यह बात कृषि मंत्री ने भी कही है कि किसानों का उनका फसल बीमा क्लेम देने में देरी होती है तो ब्याज सहित भुगतान किया जाएगा।

महंत डॉ. नरेशपुरी महाराज के सान्निध्य में पूजा-अर्चना

हरिद्वार में गंगा घाट पर पार्थिवेश्वर शिव का महापूजन

बेधड़क | मेहंदीपुर बालाजी
हरिद्वार में विश्व शांति व मानव कल्याण के लिए सावन मास में धार्मिक कार्यक्रमों का विशेष महत्व रहता है। इसी वजह से मेहंदीपुर बालाजी महंत डॉ.नरेशपुरी महाराज के सान्निध्य में हरिद्वार के गंगा घाट पार्थिवेश्वर शिव महा पूजन पर किया जा रहा है। इस पूजा का मुख्य उद्देश्य मेहंदीपुर बालाजी आने वाले श्रद्धालुओं के विशेष लाभ एवं विश्व शांति व मानव कल्याण के लिए यह पूजा की जा रही है। महंत द्वारा दशकों से महा पार्थिवेश्वर शिव महापूजन करते आ रहे हैं। विद्वान पंडितों द्वारा विधि विधान से गंगा घाट पर मिट्टी के बने शिवलिंग से पार्थिवेश्वर की पूजा की जाती है। पूजा अर्चना के बाद मिट्टी के बने शिवलिंग को गंगा में विसर्जन कराया जाता है। विशेष पूजा-अर्चना के अवसर पर प्रसिद्ध गायक कलाकारों द्वारा भजन कीर्तन किए गए। महंत डॉ. नरेश पुरी महाराज ने कहा कि सावन मास के पवित्र महीने में केवल ईश्वर के निमित्त व्रत, दान, हवन, पूजा, ध्यान आदि करने का विधान है। ऐसा करने से पापों से मुक्ति मिलती है और पुण्य प्राप्त होता है। इस मास किए गए सभी शुभ कार्यों का अनंत गुना फल प्राप्त होता है। इस माह में भागवत कथा श्रवण, रामकथा पार्थेश्वर पूजा और तीर्थ स्थलों पर स्नान और दान का विशेष महत्व है।

सूर्य नगरी में उपराष्ट्रपति का स्वागत

जयपुर। संसदीय कार्य, विधि एवं न्याय मंत्री जोगाराम पटेल ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के शुक्रवार को जोधपुर पहुंचने पर एयरपोर्ट पर अगवानी की। उन्होंने पुष्प गुच्छ भेंट कर उपराष्ट्रपति का अभिनन्दन किया। इस अवसर पर राजस्थान उच्च न्यायालय के चीफ जस्टिस मनिन्द्र मोहन श्रीवास्तव एवं उनकी पत्नी श्रीमती मधु श्रीवास्तव, संभागीय आयुक्त बी एल मेहरा, जिला कलेक्टर गौरव अग्रवाल एवं अन्य उच्च अधिकारी उपस्थित रहे।

'पीएम ई-बस सेवा'

पब्लिक ट्रांसपोर्टेशन बेड़े में अब शामिल होंगी 675 नई इलेक्ट्रिक बसें

बेधड़क | जयपुर
'पीएम ई-बस सेवा' को जल्द से जल्द धरातल पर उतारने और आमजन को सुगम-प्रदूषण मुक्त सफर देने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है।

सरकार के प्रयासों से केंद्र ने पहले 500 इलेक्ट्रिक बसें दी थी, अब 175 इलेक्ट्रिक बसों का आवंटन किया गया है। इसी कड़ी में स्वायत्त शासन विभाग के प्रमुख शासन सचिव टी. रविकांत ने निदेशालय में विभागीय अधिकारियों और स्थानीय निकायों के आयुक्त एवं अधिशासी अधिकारियों की बैठक ली। इसमें

इलेक्ट्रिक बसों के संचालन के लिए सिविल एवं विद्युत इंफ्रास्ट्राक्चर, डिपो इंफ्रास्ट्रक्चर कार्य की प्रगति एवं पूर्व में शहरों को आवंटित बसों के अतिरिक्त बसों के आवंटन को लेकर चर्चा की गई। प्रमुख शासन सचिव टी. रविकांत ने बताया कि पहले केंद्र से 500 इलेक्ट्रिक बसें मिली थी, लेकिन अब 175 अतिरिक्त बसों का और आवंटन किया गया है। इसके तहत अजमेर को 50, जोधपुर को 50, कोटा को 50 और बीकानेर को 25 इलेक्ट्रिक बसों का आवंटन किया गया है। बैठक में डीलबी निदेशक व संयुक्त सचिव सुरेश कुमार ओला, वित्तीय सलाहकार महेंद्र मोहन, मुख्य अभियंता रूडिस्को प्रदीप गर्ग, प्रबंध निदेशक जेसीटीएसएल सहित अन्य उच्च अधिकारी मौजूद रहे। साथ ही सभी स्थानीय निकायों के आयुक्त और अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक में जुड़े।

चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को जल्द किया जाए डवलप

प्रमुख शासन सचिव ने अधिकारियों को कहा कि चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए डिस्कॉम्स के साथ चर्चा की जाए और पावर लाइंस के लिए समन्वय के साथ उन्हें जल्द से जल्द डवलप किया जाए। सभी कमिश्नर भूमि का मौका मुयाअना खुद करें और फील्ड में जाकर साइट्स को देखें, ताकि भूमि आवंटन संबंधी प्रक्रिया जल्द पूरी हो सके। इलेक्ट्रिक बसों के संचालन के लिए शहरों में खासतौर पर भीड़ वाले इलाकों को चिह्नित किया जाए और बेस्ट रूट्स की पहचान की जाए ताकि लोगों के सफर को सुगम बनाया जा सके।

विशेषज्ञों के साथ मिलकर बनाएं सुव्यवस्थित प्लानिंग

प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि इलेक्ट्रिक बसों का संचालन शहरी विकास को एक नई दिशा प्रदान करेगा। ऐसे में प्रोजेक्ट के साथ ट्रांसपोर्ट ऑपरेशन स्पेशलिस्ट जैसे एक्सपर्ट्स को भी जोड़कर काम किया जाए। निदेशालय स्तर पर शहरी ट्रांसपोर्ट सेल बनाई जाए, जो प्रोजेक्ट की सघन मॉनिटरिंग करे और पॉलिसी लेवल मुद्दों पर अपनी राय रखे। उन्होंने नॉन फेयर रेवेन्यू जैसे शॉप्स आदि के लिए भी प्लान बनाने के लिए निर्देश दिए।

जरूरी खबर

सत्रह बीघा में बसाई जा रही सात कॉलोनियां तोड़ी

जयपुर। राजधानी में अवैध कॉलोनियों पर जेडीए का बुलडोजर जमकर गरज रहा है। शुक्रवार को भी जेडीए के प्रवर्तन दस्ते ने 27 बीघा में बसाई जा रही 7 अवैध कॉलोनियों पर कार्रवाई की। प्रवर्तन प्रकोष्ठ द्वारा जोन-12 में स्थित ग्राम बगरू में करीब 4 बीघा निजी खातेदारी भूमि पर चौपड़ा एन्कलेव के नाम से, बेगस में करीब 3 बीघा निजी खातेदारी भूमि पर कृष्णा विहार-9 के नाम से और मूंडियारामसर में ही करीब 10 बीघा निजी खातेदारी भूमि पर राज वाटिका' के नाम से अवैध कॉलोनी बसाने के लिए बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सड़कें, बाउण्ड्रीवाल, बिजली के पोल व अन्य अवैध निर्माण को हटाया गया।

जैन मंदिरों में आज चढ़ाया जाएगा निर्वाण लाडू

जयपुर। जैन धर्म के 22 वे तीर्थंकर भगवान नेमिनाथ का जन्म व तप कल्याणक दिवस शनिवार को और जैन धर्म के 23 वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ का निर्वाणोत्सव रविवार को भक्ति भाव से मनाया जाएगा। इस मौके पर शहर के दिगम्बर जैन मंदिरों में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन होंगे। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा के अनुसार शनिवार को मंदिरों में प्रातः भगवान नेमिनाथ के मंत्रोच्चार के साथ अभिषेक, शांतिधारा के बाद विशेष पूजा अर्चना की जाएगी। पूजा के दौरान भगवान नेमिनाथ का जन्म व तप कल्याणक श्लोक का उच्चारण करते हुए अर्घ्य चढ़ाये जाएंगे। 11 अगस्त को जैन धर्म के 23 वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ का 2876 वां निर्वाणोत्सव मनाया जायेगा। इस मौके पर निर्वाण लाडू चढाया जाएगा।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
आपके दिल की बात अब आपके अखबार के माध्यम से...
अख़बार में प्रकाशन के लिए खब़र, विज्ञप्ति, कार्यक्रम की सूचना आलेख एवं अपनी मौलिक रचनाएं
news@sachbedhadak.com
पर E- Mail करें।

विश्व हिंदू परिषद के क्षेत्रीय मंत्री ने प्रेसवार्ता में उठाई मांग

पड़ोसी देश में हिंसा के बीच हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो

बेधड़क | जयपुर

'पड़ोसी बांग्लादेश हिंसा और अराजकता से ग्रसित है। निर्वाचित प्रधानमंत्री के त्यागपत्र देने और देश छोड़ने के बाद अराजक तत्व हावी हो गए हैं। वहां कानून व्यवस्था पूरे तरीके से निष्प्रभावी हो चुकी है। इस अराजक स्थिति में वहां के आतंकवादी तत्वों ने हिंदू समाज का बड़े पैमाने पर उत्पीड़न शुरू कर दिया है। इस समय विश्व समुदाय की यह जिम्मेदारी है कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा व उनके मानवाधिकारों की रक्षा के लिए प्रभावी कार्यवाही करें। विश्व हिन्दू परिषद ने भारत सरकार से यह आग्रह किया है कि वह बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए हर संभव कदम उठाए।' यह बात विश्व हिंदू परिषद राजस्थान की ओर से बांग्लादेश में हो रही हिंसा पर शुक्रवार को आयोजित प्रेस वार्ता में विश्व हिंदू परिषद राजस्थान के क्षेत्रीय मंत्री सुरेश उपाध्याय ने कही।

सीमा पर चौकसी बरतें

क्षेत्रीय मंत्री ने कहा कि विकट परिस्थिति का लाभ उठा कर कुछ लोग सीमा पार से घुसपैठ का एक बड़ा प्रयत्न कर सकते हैं। इससे सतर्क रहना होगा। इसलिए हमारे सुरक्षाबलों के लिए यह आवश्यक है कि सीमा पर कड़ी चौकसी बरतें और किसी भी तरह के अतिक्रमण को न होने दें। उन्होंने कहा कि विहिप की कामना है कि बांग्लादेश में शीघ्रतिशीघ्र लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्ष सरकार पुनः स्थापित हो। वहां के अल्पसंख्यक समाज को मानवाधिकार मिले। भारत का हिंदू समाज और सरकार इस विषय में निरंतर बांग्लादेश के सहयोगी बने रहेंगे।

कट्टरपंथियों के कहर से श्मशान तक नहीं बचे

विश्व हिंदू परिषद राजस्थान के क्षेत्रीय मंत्री सुरेश उपाध्याय ने कहा कि बांग्लादेश में पिछले कई दिनों से हिन्दू अल्पसंख्यकों के धार्मिक स्थानों, व्यवसायिक प्रतिष्ठानों और घरों को नुकसान पहुंचाया गया है। पूरे बांग्लादेश में हर जिले में यह वीभत्स कुकृत्य होने की सूचना है। कट्टरपंथियों के निशाने से श्मशान तक नहीं बचे हैं। वहां पर मंदिरों को भारी क्षति पहुंचाई गई है। बांग्लादेश में शायद ही कोई जिला बचा हो जो इनकी हिंसा व आतंक का निशाना न बना हो।

सनातनी सरकार होने के बावजूद भी कोई हिंदुओं के लिए बोल नहीं रहा

इधर, हिंदू संघर्ष समिति के संयोजक विजय कौशिक ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि जिस तरह से बांग्लादेश में हालात बने हुए हैं। उस पर तत्काल रूप से हमारी सरकार को भी एक्शन लेने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि वहां पर हिंदुओं के साथ जो अत्याचार हो रहा है। उनकी हत्या हो रही है, वह बहुत सोचने वाला विषय है। हमने प्रदेश और देश में सनातनी सरकार चुनी है। उसके बावजूद भी कोई बड़ा लीडर इस मुद्दे पर बोलने को तैयार नहीं है। कौशिक ने कहा- पाकिस्तान, बांग्लादेश और अपने ही देश में हिंदुओं के साथ बहुत अत्याचार हो रहा है। उनकी हत्या की जा रही है। बहन बेटियों के साथ रेप किया जा रहे हैं।

स्वास्थ्य विभाग के 261 करोड़ के टेंडर में भ्रष्टाचार...

MMVS का टेंडर खास कंपनी को देने के लिए बदल दी शर्तें!

व्हिसल ब्लोअर ने सीएम-एसीबी डीजी को लेटर लिख लगाए गंभीर आरोप, विभाग ने आरोपों को बताया गलत

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान के हर जिले में मोबाइल मेडिकल वैन सर्विस को लेकर स्वास्थ्य विभाग की टेंडर प्रक्रिया सवालों के घेरे में आ गई है। एक व्हिसल ब्लोअर ने सीएम और एसीबी डीजी को लेटर लिखकर मोबाइल मेडिकल वैन सर्विस के 261 करोड़ के टेंडर में भारी भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए और कार्रवाई की मांग की। स्वास्थ्य विभाग ने इन आरोपों को गलत बताया है।

सीएम और एसीबी से की गई शिकायत के अनुसार प्रदेश के हर जिले में मोबाइल मेडिकल वैन सर्विस उपलब्ध करवाने की टेंडर प्रक्रिया में एक कंपनी को फायदा पहुंचाने के लिए टेंडर की शर्तों में मनमाने बदलाव किए गए हैं। नेशनल हेल्थ मिशन ने 9 मार्च को टेंडर निकाला। 23 जुलाई को एक कोरिजेंनडम निकालकर टेंडर की शर्तों में दर्जन भर बदलाव कर दिए।

टेंडर की शर्तों में बदलाव प्री बिड बैठक से पांच दिन पहले किए गए। एक खास कंपनी को टेंडर देने के लिए टेलर मेड निविदा मंगा ली गई, जबकि सब कुछ पहले तय हो चुका था। टेंडर की कई शर्तों में ऐसे बदलाव किए गए हैं, जिनसे जनता और सरकार दोनों को नुकसान है। व्हिसल ब्लोअर ने टेंडर की शर्तों में बदलाव की टाइमिंग पर सवाल उठाते हुए इस मामले में जांच की मांग की है।

टर्न ओवर की बदल दी शर्त

टेंडर में शामिल होने वाली कंपनी के लिए पहले शर्त थी कि उसका तीन साल का टर्नओवर कम से कम 85 करोड़ होना चाहिए था। इस शर्त में बदलाव करके इस अवधि को चार साल कर दिया गया। पहले टेंडर में शर्त थी कि सर्विस प्रोवाइडर के पास सेंट्रलाइज्ड कॉल सेंटर और जीपीएस ट्रैकिंग सिस्टम हो। यह सेवा सेंट्रलाइज्ड कॉल सर्विस विद जीपीएस ट्रैकिंग से मैनेज करने की शर्त थी। बाद में इसमें संशोधन करके यह प्रावधान हटा दिया कि कॉल सेंटर की कोई आवश्यकता नहीं है। मोबाइल मेडिकल वैन सर्विस देने वाली कंपनी को कॉल सेंटर और जीपीएस ट्रैकिंग सिस्टम से अलग कर दिया।

सुझावों के बाद बदली शर्तें

स्टेट नोडल ऑफिसर डॉ. सुवालाल ने इन आरोपों को गलत बताया है। उन्होंने कहा- हमने टेंडर की शर्तों में बदलाव प्री-बिड बैठक में आए सुझावों के आधार पर किया है। मार्च में जब प्री-बिड बैठक हुई थी, तब उसमें 11 कंपनियां आई थी। उन कंपनियों के सुझाव और टेंडर कमेटी में मौजूद 9 लोगों के सुझाव के बाद ही ये संशोधन जारी किए गए हैं। नियम भी यही है कि किसी भी टेंडर की शर्तों में संशोधन प्री-बिड बैठक में मिले सुझावों के बाद ही किए जाते हैं।

हर साल 3% एक्स्ट्रा पैसा देने का प्रावधान जोड़ा

पहले मोबाइल मेडिकल वैन में मेडिकल इक्विपमेंट रखने की शर्त थी, जिसे डिलीट कर दिया गया। मोबाइल मेडिकल सर्विस देने वाली कंपनी को हर साल टेंडर प्राइस का 3 प्रतिशत अतिरिक्त पैसा देने का प्रावधान जोड़ा गया, पहले यह प्रावधान नहीं था। टेंडर के लिए योग्यता पहले 100 मोबाइल मेडिकल वैन सर्विस संचालित करने के अनुभव की शर्त थी। इस शर्त को बाद में बदला गया। 100 से घटाकर 75 मोबाइल मेडिकल वैन के अनुभव की शर्त जोड़ दी। साथ ही दो राज्यों में काम करने का अनुभव भी अनिवार्य कर दिया।

14 वर्षीय नाबालिग आरोपी CCTV में कैद

शादी के दौरान 1.50 करोड़ रुपए के गहने से भरा बैग चोरी

बेधड़क | जयपुर

होटल हयात में चल रही शादी में आशीर्वाद समारोह के दौरान दूल्हे की मां का 1.50 करोड़ रुपए के गहने रखा बैग एक 14 साल का बच्चा चुरा ले गया।

वारदात मुहाना इलाके में हुई। एसआई छगनलाल ने बताया कि सायबराबाद (तेलंगाना) के रहने वाले नरेश कुमार गुप्ता (61) ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। उनका हैदराबाद में मेडिकल का बिजनेस है। उनके बेटे साईरमना (24) की शादी कॉलोनी में ही रहने वाली लड़की से तय हुई थी।

दोनों ही परिवारों ने डेस्टिनेशन वेडिंग जयपुर में करना तय किया। इसके लिए होटल हयात को बुक करवाया था। 8 अगस्त को दूल्हा-दुल्हन पक्ष के लोग शादी के लिए होटल में मौजूद थे। रात करीब 11:30 बजे आशीर्वाद समारोह के दौरान दूल्हे की मां ने हाथ में पकड़ा सफेद रंग का बैग मंडप के पास रखा। तभी मौका पाकर पीछे से आया बच्चा नजर बचाकर बैग उठा ले गया। बिजनेसमैन नरेश कुमार गुप्ता ने बताया कि बारात की एंट्री के दौरान हाथी पर सवार दूल्हे के साथ-साथ चोर भी होटल में घुस गए।

14 साल का नाबालिग चोर हाथी के पीछे और उसका साथी हाथी के आगे चलते हुए होटल में अंदर पहुंचे। करीब एक घंटे होटल में रहने के दौरान एक-दूसरे से दूर खड़े रहे और बैग पकड़े लोगों की निगरानी करते दिख रहे थे। रात 11:20 बजे मंडप के पास बैग नीचे रखते ही बच्चा तेजी से आया और नजर बचाकर कुछ ही सेकंड में बैग उठाकर ले गया।

प्रवर्तन निदेशालय ने कोर्ट में पेश की दूसरी चार्जशीट

बड़ाया ठेकेदारों से लेता था 3% तक चार्ज

बेधड़क | जयपुर

जल जीवन मिशन (जेजेएम) में हुए घोटाले को लेकर प्रवर्तन निदेशालय ने दूसरी चार्जशीट कोर्ट में पेश कर दी है। इस बार कुल चार आरोपियों जलदाय विभाग के ठेकेदार पदमचंद जैन, महेश मित्तल, प्रॉपर्टी कारोबारी संजय बड़ाया और स्टेनोग्राफर मुकेश पाठक के खिलाफ चार्जशीट पेश की गई है। इसमें आरोपियों के खातों में 500 करोड़ रुपए का लेनदेन पीएचईडी के साथ मिले हैं। साथ ही सामने आया कि पदमचंद जैन और महेश मित्तल ने 5.40 करोड़ रुपए की रिश्वत तत्कालीन मंत्री महेश जोशी के करीबी को दी थी। इससे पहले ईडी 24 अप्रैल को पदमचंद जैन के बेटे में पीयूष जैन के खिलाफ पहली चार्जशीट पेश कर चुकी हैं। जो पहले से जेल में है।

अब पेश की गई चार्जशीट में कहा गया है कि पदमचंद जैन, महेश मित्तल और पीयूष जैन टेंडर हासिल करने, बिल मंजूर करवाने के लिए पीएचईडी के अधिकारियों को रिश्वत देते थे। आरोपी हरियाणा से चोरी का माल खरीदने में भी शामिल थे। टेंडर हासिल करने के लिए उनका इस्तेमाल कर रहे थे। जांच में सामने आया कि चारों आरोपियों से संबंधित फर्मों के बैंक खातों में लगभग 500 करोड़ पीएचईडी द्वारा जमा किए गए थे। इसलिए उन्हें जो भी पैसा मिला वह अपराध से कमाया पैसा है। आरोपी मुकेश पाठक (IRCON) में स्टेनोग्राफर था। उसने महेश मित्तल और पदम जैन की फर्म के लिए फर्जी प्रमाण पत्र बनाए थे। संजय बड़ाया की भूमिका पर ईडी ने कहा है कि बड़ाया निजी ठेकेदारों से 2.5 से 3 प्रतिशत चार्ज कर रहा था।

मजदूर की मौत मामले में ग्रामीणों ने 5 घंटे बाद उठाया धरना

15 लाख नकद, पत्नी को नौकरी और डेयरी बूथ

बेधड़क | जयपुर

फैक्ट्री में बॉयलर फटने से मजुदर की मौत के बाद ग्रामीणों और परिजनों की ओर से चौमूं के थाना मोड पर तहसील कार्यालय के सामने दिया जा रहा धरना पांच घंटे बाद शाम करीब 5:15 बजे समाप्त हो गया। मुख्यमंत्री आयुष्मान योजना के तहत पांच लाख रुपए की आर्थिक सहायता, पत्नी को संविदा पर नौकरी और एक डेयरी बूथ आंवटन करने की मांगों पर सहमति बनने और कालाडेरा रीको एसोसिएशन की ओर से 10 लाख रुपए का चेक मृतक के परिजनों को सौंपे जाने के बाद ग्रामीण उठे। चौमूं एसडीएम दिलीप सिंह राठौड़ ने बताया कि चौमूं विधायक डॉक्टर शिखा मील बराला, पूर्व विधायक रामलाल शर्मा, शाहपुरा विधायक मनीष यादव, बीजेपी नेता उपेन यादव, आरएलपी नेता छुट्टन यादव भी इस दौरान मौजूद रहे। चौमूं एसीपी अशोक चौहान के सुपरविजन में थाना प्रभारी प्रदीप शर्मा के नेतृत्व में सुरक्षा मॉनिटरिंग की गई। इस दौरान कालाडेरा, चौमूं, हरमाड़ा, विश्वकर्मा, दौलतपुरा सहित अन्य पुलिस थानों का जाब्ता भी मौके पर मौजूद रहा। कालाडेरा पुलिस थाने में फैक्ट्री संचालक और ठेकेदार के खिलाफ लापरवाही का मुकदमा दर्ज किया गया है। कालाडेरा थानाधिकारी नरेश कंवर ने बताया कि आरोपी फैक्ट्री संचालक रवि उर्फ संजय शर्मा निवासी चौमूं को गिरफ्तार किया गया है। फैक्ट्री के अन्य पार्टनर और ठेकेदार की पुलिस तलाश कर रही है।

HC ने सामान्य याचिका के तौर पर लिस्टेड करने को कहा

छात्रसंघ चुनाव की मांग को लेकर दायर जनहित याचिका खारिज

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में छात्रसंघ चुनाव कराने की मांग को लेकर दायर जनहित याचिका को राजस्थान हाई कोर्ट ने खारिज कर दिया हैं। छात्र नेता शुभम रेवाड़ ने अदालत में जनहित याचिका लगाकर छात्रसंघ चुनाव कराने अथवा चुनाव नहीं कराने की स्थिति में छात्रसंघ चुनाव के लिए जमा की गई राशि को लौटाने की मांग की थी। याचिका पर सुनवाई करते हुए सीजे एमएम श्रीवास्तव व जस्टिस जीआर मीना की खंडपीठ ने कहा कि जब याचिकाकर्ता ने खुद ही छात्रसंघ चुनाव की फीस को वापस करने के लिए आवेदन कर रखा है तो उसकी इस संबंध में दायर की गई पीआईएल पर जनहित का मुद्दा मानकर सुनवाई नहीं की जा सकती है। अदालत ने पीआईएल को खारिज करते हुए इसे सामान्य याचिका के तौर पर संबंधित एकलपीठ के सामने सूचीबद्ध करने के लिए कहा है।

यूनिवर्सिटी ने वसूले 63 लाख

जनहित याचिका में कहा गया था कि यूनिवर्सिटी प्रत्येक छात्र से छात्रसंघ चुनाव के लिए 145 व मेंबरशिप के लिए 110 रुपए यानी 255 रुपए वसूलती है। सभी छात्रों से वूसली इस राशि को जोड़ें तो यह करीब 63 लाख रुपए से ज्यादा बैठती है, लेकिन छात्र संघ फीस वसूलने के बाद भी यूनिवर्सिटी छात्र संघ चुनाव नहीं कर रही हैं। इसलिए राजस्थान यूनिवर्सिटी को छात्रसंघ चुनाव कराए जाने का निर्देश दिया जाए, अन्यथा छात्रों से इस मद में वसूली राशि को वापस किया जाए। खंडपीठ ने प्रार्थी की दलीलों को सुनकर कहा कि उसने खुद ही छात्रसंघ की फीस को वापस करने के लिए आवेदन कर रखा है और ऐसे में यह मुद्दा जनहित का नहीं रह जाता। इसलिए इसे पीआईएल के तौर पर नहीं सुन सकते हैं।

गहलोत सरकार ने किए थे चुनाव स्थगित

राजस्थान की तत्कालीन गहलोत सरकार ने पिछले साल छात्रसंघ चुनाव स्थगित करने का फैसला किया था। इसके बाद प्रदेश भर में छात्रों ने विरोध प्रदर्शन किया। लेकिन, सरकार ने अपने फैसले को नहीं बदला था। अब प्रदेश में बीजेपी सरकार में भी छात्रसंघ चुनाव को लेकर असमंजस की स्थिति है। उच्च शिक्षा मंत्री चुनाव स्थगित करने को पूर्व सरकार का फैसला बताते हुए कुछ भी कहने से बच रहे हैं। वहीं, भाजपा के जो नेता छात्रसंघ चुनाव शुरू करने की मांग करते थे, उन्होंने भी चुप्पी साध ली है। इसके बाद राजधानी जयपुर समेत प्रदेशभर में छात्रों ने छात्रसंघ चुनाव की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिए हैं।

21,000 लीटर गंगाजल से होगा महाशिवाभिषेक

जयपुर। सावन के चौथे सोमवार पर जयपुर के श्री सिद्धेश्वर हनुमान मंदिर में हरिद्वार से लाए गंगाजल से भगवान शिव का महाशिवाभिषेक किया जाएगा।

इसके साथ ही कैलाश मानसरोवर, सरयू, गंगा, यमुना, नर्मदा, गंगा सागर, बद्रीनाथ, पुष्कर, और रामेश्वरम से भी पवित्र जल की व्यवस्था की गई है। हरिद्वार से अभिषेक के लिए टैंकर के जरिए गंगाजल मंगवाया जा रहा है। इसे लेकर शुक्रवार को मंदिर महंत आचार्य अवधेश दास महाराज ने गंगाजल लाने के लिए जयपुर से रथ को रवाना किया। मुख्य आयोजक गब्बर कटारा ने बताया कि महाअभिषेक के लिए हरिद्वार से 21,000 लीटर पवित्र गंगाजल एक टैंकर में लाया जाएगा।

जरूरी खबर

बायोलॉजिकल पार्क में बुजुर्ग बाघ ने तोड़ा दम

कोटा। अभेड़ा बायोलॉजिकल पार्क में एक बुजुर्ग बाघ की शुक्रवार को मौत हो गई। बाद में उसका पूरे प्रोटोकॉल से पोस्टमार्टम करने के बाद अंतिम संस्कार किया गया। बाघ 18 साल का था। उपवन संरक्षक अनुराग भटनागर ने बताया कि बाघ गुरुवार शाम 6:15 बजे डिस्प्ले एरिया में था। यहां उसके पिछले हिस्से का मूवमेंट नहीं हो पा रहा था। डॉक्टर ने भी दवाई दी थी, लेकिन कोई ज्यादा फर्क नहीं आया और सुबह 6:30 बजे बाघ ने अंतिम सांस ली।

आमने-सामने टकराई बाइक, दो की मौत

भरतपुर। जिले के उच्चैन कस्बे में बीती देर रात को दो बाइक में आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि दोनों बाइक पर सवार दो लोगों की मौत हो गई। उच्चैन थाने के एएसआई फतेह सिंह ने बताया कि गुरुवार देर रात सूचना मिली कि कस्बा के जीएसएस के पास दो बाइक आपस में टकरा गई हैं। मौके पर जाकर देखा तो दो बाइकों के आमने-सामने भिड़ंत होने से दो लोग घायल हो गए। दोनों घायलों को भरतपुर के आरबीएम अस्पताल लाया गया, जहां पर चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मरने वालों में एमपी के शिवपुरी जिले निवासी राजेश कुशवाह (60) और भरतपुर के निवासी गोविंद सिंह (34) थे।

जोधपुर की लूनी नदी में डूबने से 3 युवकों की मौत

जोधपुर। लूणी नदी में नहाने गए तीन युवकों की डूबने से मौत हो गई है। तीनों युवक दोस्त थे। एसडीआरएफ की टीम ने तीनों के शवों को बरामद कर लिया है। लूणी थानाधिकारी हुकमसिंह ने बताया कि शुक्रवार दोपहर को शिकारपुरा निवासी युवक लूणी नदी पर गए थे। तीनों युवक उसमें डूब गए। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने उनकी मोटरसाइकिल और कपड़े बरामद किए हैं। तीन युवक राजेंद्र राव, करण वैष्णव और अनिल श्रीमाली बाइक पर शिकारपुरा स्थित लूणी नदी पर गए थे। तीनों पानी में उतरे और डूब गए। तीनों युवकों के शव निकाल मोर्चरी में रखवाया गया।

अगस्त क्रांति दिवस: अलवर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने निकाली तिरंगा यात्रा

शहीद स्मारक पर मिला ताला तो बाहर से ही दे दी श्रद्धांजलि

बेधड़क | अलवर

जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से शुक्रवार को अगस्त क्रांति दिवस पर तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। कांग्रेस कार्यकर्ता हाथों में तिरंगा लिए शहीदों का जयघोष करते अलवर के शहीद स्मारक पहुंचे, लेकिन वहां ताला लगा हुआ था। इसके चलते उन्हें बाहर ताले पर ही माल्यार्पण कर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित करने पड़े।

अगस्त क्रांति दिवस पर शहीद स्मारक पर ताला लगा देख कांग्रेस जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा ने यूआईटी अधिकारियों को फोन लगाया, लेकिन किसी भी जिम्मेदार अधिकारी ने उनका फोन रिसीव ही नहीं किया। काफी देर इंतजार करने के बाद

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने स्मारक के बाहर से ही शहीदों को नमन कर उनके सम्मान में जयघोष किया। कांग्रेस जिला अध्यक्ष योगेश मिश्रा ने बताया कि आज अगस्त क्रांति दिवस का दिन है ऐसे में प्रशासन को शहीद स्मारक के गेट का ताला खुलवाकर गेट को पूरा दिन खुला रखना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि शहीद स्मारक के गेट का ताला खुलवाने के लिए उन्होंने प्रशासन को फोन किया लेकिन प्रशासन की तरफ से कोई जवाब नहीं मिला। गेट का ताला नहीं खुलने पर गेट पर लगे ताले को माला पहनाई। कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने कहा कि देश में जब अंग्रेजों का अत्याचार बढ़ गया था, तब पूरे देश में कांग्रेस पार्टी के नेताओ ने एक आंदोलन चलाया और उस आंदोलन को उन्होंने भारत छोड़ो आंदोलन का नाम दिया। इसको अगस्त क्रांति दिवस भी कहते हैं। उन्होंने बताया आज अगस्त क्रांति दिवस की वर्षगांठ है। जिस तरह भारत में आज लोग स्वतंत्र होकर रह रहे हैं। यह सब वीर शहीदों की कुर्बानी और संघर्ष का प्रतीक है। इसलिए अगस्त क्रांति दिवस पर शहीदों को नमन कर पुष्पांजलि अर्पित की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा अपने आप को देश भक्त कहती है। शहीद स्मारक पर गंदगी का आलम और बारिश का पानी भरा हुआ हैं। कार्यक्रम के दौरान विधायक, पूर्व विधायक, पीसीसी पदाधिकारी व सदस्य, कांग्रेस विधानसभा प्रभारी, पूर्व सभापति आदि शामिल थे।

कांग्रेस ने अगस्त क्रांति दिवस मनाया

धौलपुर। जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में शुक्रवार को स्थानीय गांधी पार्क में अगस्त क्रांति दिवस मनाया गया। इसके साथ ही सेवादल की ओर से शहर में तिरंगा पद यात्रा भी निकाली गई। आयोजन में कांग्रेसजनों ने देश के अमर शहीदों को नमन किया तथा आजादी से लेकर राष्ट्र निर्माण में कांग्रेस के योगदान का स्मरण किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष दुर्गादत्त शास्त्री ने कहा कि देश की आजादी से लेकर राष्ट्र निर्माण में कांग्रेस का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। आधुनिक भारत की तस्वीर आप जो देख रहे हैं, वह कांग्रेस की देन है। अध्यक्षता करते हुए जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष साकेत बिहारी शर्मा ने कहा कि हमें गर्व है, कि हम कांग्रेस पार्टी के सिपाही हैं। सेवादल तिरंगा पद यात्रा की प्रभारी एवं महिला कांग्रेस सेवादल की प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष प्रतिमा नुवाल ने कहा कि पार्टी का इतिहास त्याग और बलिदान का रहा है। हमें इस पंरपरा को कायम रखना है। महिला कांग्रेस सेवादल की जिला अध्यक्ष आरती शिवहरे ने कहा कि कार्यकर्ता ही पार्टी और संगठन की रीढ होते हैं। कांग्रेस का समर्पित कार्यकर्ता ही उसकी असली ताकत है। अगस्त क्रांति कार्यक्रम के बाद में मुख्य अतिथि दुर्गादत्त शास्त्री एवं प्रतिभा नुवाल ने तिरंगा पद यात्रा को रवाना किया। शहर के विभिन्न इलाकों से गुजरती हुई तिरंगा पद यात्रा गांधी पार्क में ही संपन्न हुई।

भीलवाड़ा में संतों और महात्माओं के नेतृत्व में निकाली रैली

हिंदुओं पर हिंसा के विरोध में सड़कों पर उतरा संत समाज

■ व्यापारियों ने बंद रखे प्रतिष्ठान, राष्ट्रपति द्रौपती मुर्मू के नाम सौंपा ज्ञापन

बेधड़क | भीलवाड़ा

बांग्लादेश में वर्तमान में राजनीतिक संकट के चलते हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के साथ हो रही घटना को लेकर शुक्रवार को भीलवाड़ा में संत और सनातन धर्म समाज की ओर से भीलवाड़ा शहर को आधे दिन के लिए बंद रखा गया।

समाज की ओर से रैली निकाली गई और अतिरिक्त जिला कलेक्टर को राष्ट्रपति द्रौपती मुर्मू के नाम ज्ञापन सौंपा गया। इसमें उन्होंने मांग की है कि बांग्लादेश में रह रहे अल्पसंख्यकों और हिंदुओं के साथ हो रही घटना पर केंद्र सरकार प्रभावी कार्रवाई करे, जिससे वहां हिंदू भाई सुरक्षित रह सकें।

बांग्लादेश में हाल ही में हुए हिंसात्मक घटनाक्रम और वहां के हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रहे अत्याचारों के विरोध में भीलवाड़ा में व्यापक विरोध प्रदर्शन किया गया। संत और सनातन धर्म समाज द्वारा आयोजित इस आंदोलन में संतों और महात्माओं के नेतृत्व में एक ज्ञापन राष्ट्रपति के नाम एडीएम को सौंपा गया, जिसमें बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की मांग की गई। प्रदर्शन की शुरुआत शुक्रवार सुबह शहीद चौक से हुई। यहां संत समुदाय, सर्व समाज संगठन के सदस्य और नागरिक एकत्रित हुए और रैली के रूप में धान मंडी, बड़ा मंदिर, सर्राफा बाजार, मुख्य बाजार, गोल प्याऊ और स्टेशन चैराहा होते हुए मुखर्जी उद्यान पहुंचे। रैली के दौरान जनसमूह भगवा पताकाएं लहरा रहा था और 'हिंदू एकता जिंदाबाद' जैसे नारे लगाए गए।

रैली में प्रमुख संतों में महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम उदासीन, महंत बाबूगिरी, महंत बनवारीशरण काठिया बाबा, संत पंच मुरारी, महंत रामदास रामायणी और संत परमेश्वरदास शामिल हुए। इनके साथ ही भीलवाड़ा विधायक अशोक कोठारी, विहिप के ओमप्रकाश बूलिया, बजरंग दल के अखिलेश व्यास, सनातन सेवा समिति के अशोक मूंदड़ा और कई अन्य संगठनों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

हिंदू अल्पसंख्यकों को भारत लाने की मांग

ज्ञापन में बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रहे अत्याचारों की भर्त्सना की गई। ज्ञापन सौंपने के बाद हरी सेवा उदासीन आश्रम के महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम ने कहा कि बांग्लादेश में जिस प्रकार से तख्ता पलट हुआ। उसके बाद हिंदू मंदिर, हिंदू प्रतिष्ठान और हिंदुओं के घरों में अत्याचार हो रहा है। महिलाओं के साथ अत्याचार किया जा रहा है। उन्होंने मांग की है कि बांग्लादेश में रह रहे हिंदुओं की रक्षा की जाए और तुरंत उनको भारत लाकर यहां की नागरिकता दी जाए। बांग्लादेश में जो वर्तमान सरकार या मिलिट्री शासन है, उसमें भारत सरकार हस्तक्षेप कर हिंदुओं की रक्षा करे। बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ हो रहे अत्याचार व हत्या की घटना को लेकर यूएन (यूनाइटेड नेशन) चुप बैठा है, इसलिए हमारी तो भारत सरकार से मांग है कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार में हस्तक्षेप कर तुरंत उनको राहत दिलवाएं।

विधायक ने जताया आभार

भीलवाड़ा विधायक अशोक कोठारी ने प्रदर्शनकारियों को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह रैली सर्व समाज और संगठनों को जागरूक करने का एक प्रयास है। उन्होंने भीलवाड़ा की जनता का व्यापारिक प्रतिष्ठानों को दोपहर 12 बजे तक बंद रखने के लिए आभार व्यक्त किया। महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम उदासीन ने अपने उद्बोधन में बांग्लादेश की स्थिति को चिंताजनक बताते हुए कहा कि हिंदू समाज को सजग और जागरूक रहना चाहिए। उन्होंने इस मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय मंच पर उठाने की भी बात की। प्रदर्शन के दौरान विभिन्न समाजिक और धार्मिक संगठनों के सदस्य भी शामिल हुए। इनमें दुर्गा शक्ति अखाड़ा, दुर्गा वाहिनी, राजस्थान प्रांतीय तैलिक साहू महासभा, भारतीय सिन्धु सभा और विप्र फाउंडेशन जैसे संगठन शामिल थे।

वीवीआईपी के लिए कोई नियम नहीं?

बेधड़क | सवाई माधोपुर

वन विभाग की ओर से सवाई माधोपुर में क्रिटिकल टाइगर हैबीटाट (CTH) क्षेत्र में नाम कई तरह की पाबंदियां लगा रखी है, वहीं वीआईपी के नाम पर ये नियम तार तार होते दिखाई देते हैं। ऐसा ही ताजा मामला नाका राजबाग की आम चौकी पर सामने आया, जहां से नगर परिषद आयुक्त और सवाई माधोपुर एसडीएम की सरकारी कार को रणथंभौर टाइगर रिजर्व के जोन नंबर एक में एंट्री दे दी गई। आपदा प्रबंधन के लिए सवाई माधोपुर उपखंड अधिकारी अनिल चौधरी और नगर परिषद आयुक्त फतेह सिंह मीणा बड़े राजबाग के पास बने एनिकट का जायजा लेने गए थे, जहां से एसडीएम और कमिश्नर की सरकारी कार आम चौकी के रास्ते गाड़ा डूब एनिकट तक पहुंची। इस दौरान आमचौकी पर मौजूद वनकर्मी से कार अंदर जाने के बारे में जानकारी ली गई तो सलीम खान ने बताया कि सरकारी कार है, जो अंदर जा सकती है।

100 से ज्यादा चोरियां करनी कबूली

पकड़े गए सुखा 0033 गैंग के दो सरगना

जोधपुर। ग्रामीण पुलिस ने ग्रामीण जिला सहित प्रदेश के 18 जिलों में 100 से ज्यादा चोरी की वारदात करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस मामले में पुलिस ने सोशल मीडिया पर चर्चित सुखा 0033 गैंग के दो सरगना रिजवान और श्रवण को गिरफ्तार किया है, जबकि तीन पुलिस के रडार पर हैं। दोनों आरोपियों ने पूछताछ में 100 से ज्यादा चोरियां करनी कबूली हैं। फिलहाल पुलिस अन्य जिलों में की गई वारदातों का पता कर रही है। साथ ही पूछताछ कर बरामदगी के प्रयास कर रही है.

जिला पुलिस अधीक्षक जोधपुर ग्रामीण धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि पुलिस थाना खेडापा में हुई चोरियों के प्रकरण की पड़ताल के लिए एएसपी भोपाल सिंह लखावत और जयदेव सियाग की अगुवाई में बनाई टीम ने गैंग का पर्दाफाश किया है।

आरोपियों ने सोशल मीडिया पर सुखा 0033 नाम से अपना अकाउंट भी बना रखा था, जिस पर वह अपने फोटो अपलोड करते रहते हैं। उन्होंने बताया कि 150 सीसीटीवी फुटेज आदि का विश्लेषण कर सूचना एकत्रित की गई। टीम की ओर से मुखबिर तंत्र स्थापित कर अज्ञात चोरों की तलाश शुरू की गई। इन सभी के आधार पर एक चोर गिरोह का पर्दाफाश हुआ जो कि श्रवणराम पूनिया जाट, रिजवान खां, मोहम्मद नहीम व कैलाश भील की ओर से संचालित था।

प्रदेशभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

विश्व आदिवासी दिवस कई कार्यक्रम... गूंजते रहे जय जोहार के नारे

बेधड़क | जयपुर

विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर प्रदेश के कई जिलों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। दौसा जिले के नंगल राजावतन मीणा हाईकोर्ट में आदिवासी दिवस मनाया गया। इसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। इस दौरान आदिवासी लोक संस्कृति की झलक देखने को मिली।

कार्यक्रम में राजस्थान और बाहर से आए कलाकारों ने प्रस्तुति दीं। डांसिंग टीम गौरी नागोरी, मनीषा सैनी, आरती शर्मा व हरियाणवी गायक खासा आला चाहर ने रंगारंग प्रस्तुति दी। आदिवासी लोक संस्कृति से जुड़े गायक विष्णु मीणा, रामजीलाल मीणा, कानाराम थली, रामनाथ मीणा, विश्राम

भांडारेज, रामू मास्टर तथा कई पद दंगल पार्टियों ने कार्यक्रम प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के संयोजक जगमोहन मीणा ने कहा कि 'मीणा हाईकोर्ट' आदिवासी मीणा समुदाय के एकता की मिसाल है। 'मीणा हाईकोर्ट' को मीणा समुदाय एक समानांतर न्यायिक संस्थान के रूप में देखता है। 2018 में यहां आलीशान इमारत का निर्माण किया गया और हर साल 9 अगस्त को आदिवासी समुदाय के लोग, हर पार्टी के राजनेता, समाज के लोग इकट्ठा होते हैं। 'मीणा हाई कोर्ट' राजस्थान के मीणा समुदाय के लिए एकता का पर्याय बन गया है। कार्यक्रम में बीजेपी के दिग्गज नेता डॉ. किरोड़ी लाल मीणा, पूर्व मंत्री गोलमा देवी, पूर्व आरएएस अधिकारी जगमोहन मीना समेत कई अन्य प्रमुख जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

झालावाड़: संथाली नृत्य में दिखी संस्कृति की झलक

झालावाड़। झालावाड़ में विश्व आदिवासी दिवस पर भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। इसमें भील, मीणा और आदिवासी समाज के लोग अपने पारंपरिक परिधान में नजर आए। एक ओर पुरुष धोती कुर्ता तो महिलाएं घाघरा, लुगड़ी और ओढ़नी पहने दिखीं। वहीं, शोभायात्रा में शामिल सभी आदिवासी महिला-पुरुषों ने संथाली लोक नृत्य का अद्भुत प्रदर्शन किया। इसमें थाली की थाप पर कदम और रिदम का अनोखा संगम देखने को मिला। संथाली नृत्य के दौरान पुरुषों और महिलाओं ने अपने शरीर को पेड़ों की शाखाओं, पत्तियों और फूलों से सजा रखा था, वहीं इस नृत्य को देखने के लिए शहर के प्रमुख चौराहों पर लोगों की भारी भीड़ एकत्रित हुई, इधर शोभायात्रा में भील और मीणा समाज के लोग अपने परंपरागत प्राचीन शस्त्र तीर-धनुष, तलवार और भाला लिए नजर

आए। शोभायात्रा शहर के खेल संकुल स्टेडियम से शुरू होकर बस स्टैंड मंगलपुरा, बड़ा बाजार होते हुए राड़ी के बालाजी मैदान के पास स्थित मीणा समाज छात्रावास पहुंची। वहां आदिवासी समाज की परंपराओं और उनकी संस्कृति को जीवित रखने को लेकर वक्ताओं ने सभा को संबोधित किया। साथ ही आदिवासी समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया।

रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

डूंगरपुर। जिले में विश्व आदिवासी दिवस पर शुक्रवार को विभिन्न आदिवासी संगठनों की ओर से कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में आदिवासी संस्कृति की झलक दिखाई दी। इस दौरान शहर से लेकर गांवों में आदिवासी वेशभूषा के साथ वाहन रैली निकाली गई। शहर में रैली के साथ पहुंचे और स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में आदिवासी सम्मेलन हुआ। सम्मेलन में आदिवासी समाज को आगे बढ़ाने के लिए एकजुट होने का संदेश दिया गया। विश्व आदिवासी दिवस को लेकर भारत आदिवासी पार्टी और उसके कई संगठनों की ओर से जिला स्तरीय कार्यक्रम स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में आयोजित किया गया। खुले ग्राउंड में हजारों की भीड़ में जय जोहार के नारे गूंजते रहे। आदिवासी महापुरुषों की तस्वीरों के सामने दीप जलाए। इसके बाद कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस मौके पर डूंगरपुर बांसवाड़ा सांसद राजकुमार रोत ने आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि देश की आजादी के बाद भी आदिवासियों को अपने हक अधिकार नहीं मिले हैं। इसके लिए आदिवासी लड़ रहा है।

विनेश फोगाट को अयोग्य करने मामले पर कोर्ट में हुई सुनवाई

ओलंपिक खत्म होने से पहले आएगा फैसला: सीएएस

बेधड़क | जयपुर

पेरिस ओलंपिक में भारत की महिला पहलवान विनेश फोगाट को अयोग्य करार दिए जाने के खिलाफ याचिका पर सुनवाई को ओलंपिक खत्म होने तक टाल दिया गया हैं।

कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट्स (सीएएस) ने कहा, "हम विनेश के केस में प्रक्रियाएं तेजी से कर रहे हैं, लेकिन उनकी अपील पर एक घंटे में फैसला देना संभव नहीं है। इस मामले में पहले यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग का पक्ष सुना जाना जरूरी है। फैसला डॉक्टर एनाबेल बेनेट को करना है, सभी पार्टियों के साथ मीटिंग करेंगे। उम्मीद है कि वे ओलिंपिक खत्म होने से पहले अपना फैसला सुना देंगे।" सीनियर वकील हरीश साल्वे कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट्स (सीएएस) में विनेश फोगाट का पक्ष रखेंगे। कोर्ट में विनेश ने ज्वॉइंट सिल्वर मेडल दिए जाने की मांग की है। फाइनल मैच से पहले विनेश को 100 ग्राम ज्यादा वजन होने के चलते अयोग्य घोषित कर दिया गया था। विनेश ने सेमीफाइनल में क्यूबा की गुजमेन लोपेज को हराकर फाइनल में जगह बनाई।

एक दिन पहले विनेश ने लिया संन्यास

पेरिस ओलिंपिक फाइनल से अयोग्य ठहराए जाने के बाद विनेश ने गुरुवार को कुश्ती से संन्यास की घोषणा कर दी। उन्होंने गुरुवार सुबह 5.17 बजे एक्स पर एक पोस्ट में लिखा- "मां कुश्ती मेरे से जीत गई, मैं हार गई। माफ करना आपका सपना, मेरी हिम्मत सब टूट चुके। इससे ज्यादा ताकत नहीं रही अब। अलविदा कुश्ती 2001-2024, आप सबकी हमेशा ऋणी रहूंगी, माफी।"

हम कोर्ट के निर्णय को मानेंगे: थॉमस बाक

विनेश के मामले में इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी के अध्यक्ष थॉमस बाक से पूछा गया कि 'क्या एक भार वर्ग में दो सिल्वर दिए जा सकते हैं?' इस सवाल पर उन्होंने कहा 'नहीं, यदि आप सामान्य रूप से एक वर्ग में दो सिल्वर मेडल दिए जाने के बारे में पूछ रहे हैं। मुझे लगता है कि इंटरनेशनल फेडरेशन के नियम का पालन किया जाना चाहिए। वेट कट का फैसला यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग का था। यदि हम 100 ग्राम के साथ अनुमति देते हैं तो 102 ग्राम के साथ क्यों नहीं देंगे। अब यह मामला कोर्ट में है। अब हम सीएएस के निर्णय का पालन करेंगे। फिर भी फेडरेशन को अपने नियमों को लागू करना है। यह उनकी जिम्मेदारी है।'

नीरज चोपड़ा को हर्निया की करानी पड़ेगी सर्जरी

पेरिस। पेरिस ओलंपिक में नीरज चोपड़ा ने सिल्वर मेडल जीता। लेकिन अब नीरज चोपड़ा से जुड़ी बड़ी जानकारी सामने आ रही है। दरअसल, नीरज चोपड़ा हर्निया से जूझ रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वह जल्द हर्निया का सर्जरी कराएंगे। वहीं, यह दिग्गज भारतीय एथलीट हर्निया की वजह से ग्रोइन एरिया में दर्द से जूझ रहा है। ऐसा कहा जा रहा है कि टॉप-3 डॉक्टर नीरज चोपड़ा की सर्जरी कर सकते हैं। हालांकि, आखिरी फैसला नरीज चोपड़ा को ही लेना है। दरअसल, पिछले कुछ दिनों में नीरज चोपड़ा ने काफी कम टूर्नामेंट्स खेले हैं, इसके पीछे ग्रोइन की समस्या को बड़ा कारण माना जा रहा है। बहरहाल, उन्होंने पेरिस ओलंपिक में फाइनल के बाद अपनी सर्जरी पर हिंट दिया। उन्होंने कहा कि मैं अपनी टीम से बात करूंगा, और उसके मुताबिक फैसला लूंगा। मैं अपने शरीर के मौजूदा हालात के बावजूद खुद को आगे बढ़ा रहा हूं। मेरे अंदर अभी भी काफी कुछ है और इसके लिए मुझे खुद को फिट रखना होगा। इसके अलावा नीरज चोपड़ा के कोचिंग स्टाफ से जुड़ी बड़ी जानकारी सामने आ रही है। दरअसल, पेरिस ओलंपिक में सिल्वर मेडल जीतने के बावजूद नीरज चोपड़ा के कोचिंग स्टाफ में बदलाव किया जाएगा। नीरज चोपड़ा के मौजूदा कोच क्लाउस बार्टोनिट्ज अब साथ नहीं होंगे। क्लाउस बार्टोनिट्ज पिछले तकरीबन 6 सालों से नीरज चोपड़ा के साथ काम कर रहे हैं।

नीट पीजी 2024 पर आया 'सुप्रीम' फैसला

स्थगित नहीं होगी परीक्षा: सुप्रीम कोर्ट

बेधड़क | नई दिल्ली

11 अगस्त को होने वाली नीट पीजी परीक्षा को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने नीट पीजी परीक्षा 2024 को स्थगित करने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया है कि इस परीक्षा को स्थगित नहीं किया जा सकता।

मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ी की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा, "हम 5 याचिकाकर्ताओं के चलते 2 लाख छात्रों का भविष्य दांव पर नहीं लगा सकते।" कोर्ट ने यह बात कहते हुए याचिका को खारिज कर दिया। अब यह साफ है कि नीट पीजी परीक्षा 11 अगस्त को ही आयोजित होगी। बता दें कि याचिकाकर्ता ने 11 अगस्त को होने वाली परीक्षा को दो बैच में आयोजित करने को चुनौती दी थी और परीक्षा को स्थगित करने की मांग की थी। इस याचिका पर सुनवाई के दौरान डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस जेबी पारदीवाला, मनोज मिश्रा की बेंच ने याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। बेंच ने कहा, "देश में इतनी सारी समस्याएं हैं, क्या अब पीजी परीक्षा को ही शेड्यूल करना होगा।"

सिर्फ 5 छात्रों ने दायर की है याचिका

याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका में 22 जून को परीक्षा स्थगित होने के फैसले का हवाला देते हुए कहा था कि एग्जाम एकबार फिर से रीशेड्यूल कर दिया जाए। इस मांग पर बेंच ने नाराजगी व्यक्त की। बेंच ने बताया कि 2 लाख से ज्यादा छात्रों में से सिर्फ 5 ने याचिका दायर की है। हेगड़े ने कहा कि हालांकि इस मांग का समर्थन कई छात्रों ने किया है और उन्हें लगभग 50,000 संदेश मिले हैं।

भारतीय पुरुष और महिला चार गुणा 400 रिले टीम का निराशाजनक प्रदर्शन

बेधड़क | पेरिस

भारतीय पुरुष और महिला चार गुणा 400 रिले टीम का पेरिस ओलंपिक में प्रदर्शन निराशाजनक रहा और दोनों ही टीमें फाइनल के लिए क्वालिफाई नहीं कर सकीं। भारतीय पुरुष चार गुणा 400 मीटर रिले टीम शुक्रवार को उम्मीदों पर खरा नहीं उतर सकी और हीट रेस में कुल 10वें स्थान पर रहने के कारण अंतिम राउंड में जगह बनाने से चूक गई। मोहम्मद अनस याहिया, मोहम्मद अजमल, अमोज जैकब और राजेश रमेश की भारतीय चौकड़ी ने हालांकि सत्र का सर्वश्रेष्ठ तीन मिनट और 0.58 सेकेंड का समय निकाला, लेकिन दूसरी हीट में सातवें स्थान पर रहीं जिससे उसने 16 टीमों में से कुल मिलाकर 10वां स्थान हासिल किया। दोनों हीट में से प्रत्येक में शीर्ष तीन टीम तथा दोनों हीट में अगली दो सबसे तेज टीमें फाइनल राउंड में पहुंचती हैं। बोत्सवाना (2:57.76), ब्रिटेन (2:58.88) और अमेरिका (2:59.15) की टीम शीर्ष तीन पर रहीं, जबकि जापान 2:59.48 के समय के साथ चौथे स्थान पर था। भारत का एशियाई रिकॉर्ड 2:59.05 सेकेंड का है जो 2023 बुडापेस्ट विश्व चैंपियनशिप के दौरान बना था। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) को पुरुषों की चार गुणा 400 मीटर रिले टीम के फाइनल राउंड में पहुंचने की उम्मीद थी, लेकिन टीम ऐसा करने में विफल रही।

आईआईएस यूनिवर्सिटी की छात्रा अनुपिंदर कौर का IRS में चयन

जयपुर। आई सी जी-आईआईएस यूनिवर्सिटी की छात्रा अनुपिंदर कौर का आई आर एस (इंडियन रेवेन्यू सर्विसेज) में 585 ऑल इंडिया रैंक के साथ चयन हुआ है। अनुपिंदर आई सी जी की 2014 बैच की बी ए ऑनर्स मनोविज्ञान की छात्रा रही है। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अशोक गुप्ता व आईआईएस परिवार ने अनुपिंदर को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की।

RPSC पर आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों ने अधिकारों के हनन का लगाया आरोप

पशु चिकित्सा अधिकारी भर्ती परिणाम पर जताया विरोध

बेधड़क | जयपुर

आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों ने शुक्रवार को जवाहर कला केंद्र में प्रेस एक कांफ्रेंस आयोजित कर आरपीएससी की 900 पशु चिकित्सा अधिकारी भर्ती के अंतिम परिणाम में एससी, एसटी, एमबीसी व ईडब्ल्यूएस के अभ्यार्थियों के हकों के हनन का आरोप लगाया है। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष नरसीराम गुर्जर डॉ. बाल मुकुंद मीना एवं डॉ. नरसी राम ने बताया कि आरपीएससी द्वारा 2019 में 900 पदों पर पशु चिकित्सा अधिकारी भर्ती का विज्ञापन जारी किया गया। भर्ती में 40 नंबर की लिखित परीक्षा, 20 नंबर एकेडमिक और 40 नंबर साक्षात्कार के थे। 3 अगस्त को इसका परिणाम जारी हुआ। अभ्यर्थियों का कहना है कि परिणाम में एसटी, एससी, एमबीसी व ईडब्ल्यूएस के आरक्षण के अधिकारों का हनन किया जा रहा है। भर्ती के विज्ञापन में किसी भी प्रकार के न्यूनतम अंक प्राप्त करने का कोई उल्लेख नहीं किया गया था और भर्ती सेवा नियम में भी न्यूनतम अंको का कोई प्रावधान नहीं है। भर्ती पूर्ण रूप से मेरिट के आधार पर पूर्ण की जानी थी, जबकि परिणाम में पूर्ण एलेजिबल छात्र उपलब्ध होने के बावजूद आरक्षित वर्ग की सीटें जनरल से भर दी गई है। जो कि पूर्ण रूप से आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के अधिकारों का हनन है।

दो दिवसीय स्कून्यूज ग्लोबल एजुकेटर्स फेस्ट के उद्घाटन में बोले सीआईएससीई के सीईओ...

पास के लिए नहीं, जिंदगी अच्छे से जीने के लिए पढ़े

जयपुर। राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में दो दिवसीय स्कून्यूज ग्लोबल एजुकेटर्स फेस्ट (एसजीईएफ) के छठे सीजन की शुरुआत शुक्रवार से हुई। इस फेस्ट में 3 हजार स्कूलों को प्रतिनिधित्व करने वाले 1000 से ज्यादा डेलिगेट्स भाग ले रहे हैं। साथ ही 500 से ज्यादा स्कूल लीडर्स, 400 शिक्षक और 400 हाई स्कूल के छात्र भी इसमें शामिल हुए है।

समारोह के दौरान काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन (सीआईएससीई) के सीईओ और सचिव डॉ. जोसेफ इमैनुएल ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि यह फेस्ट स्कूलों के लिए बड़ा कदम है। इसमें पूरे भारत के स्कूलों को एक साथ जोड़ा गया है। यहां शामिल हो रहे स्कूलों को क्वालिटी एजुकेशन देने के लिए गाइड सेशन रखे गए।

हमारे देश में आने वाले समय में क्वालिटी एजुकेशन देने के लिए जो लक्ष्य रखा गया है, इस फेस्ट में उन विषयों पर भी विचार किया जा रहा है।

नवाचार अपनाने वाले हो रहे शामिल

उन्होंने बताया कि इस फेस्ट में वे ही स्कूल के रिप्रजेंटेटिव्स शामिल हो रहे जो नवाचार को अपनाना चाह रहे हैं। भारत की नई शिक्षा नीति जिसे 2020 में इंट्रोड्यूस किया गया, उसमें एजुकेशन के अंदर कंपलीट चेंज लाने की पॉलिसी बनी हुई है। ये पूरे बदलाव क्या होंगे, टीचिंग टू टेस्ट टू टीचिंग फॉर लाइफ होगा। बच्चे अपनी लाइफ को अच्छे तरीके से कैसे जीएंगे। बच्चों को स्कूल में पढ़ाने से कैसे बदलाव आएगा, उसे लाने की आवश्यकता है। इसके लिए टीचर कैपेसिटी बिल्डिंग पहली जरूरत है। एजुकेशन के फील्ड में बदलाव लाने की आवश्यकता है। बच्चों को एग्जाम में पास होने के लिए नहीं पढ़ाना है। उन्हें जिंदगी में अच्छे तरीके से जीना सिखाना है। उन्हें सिखाना है कि कैसे वो एक अच्छे उद्यमी बन सकते है। अपनी लाइफ में किस तरीके से दूसरे लोगों को फायदा पहुंचा सकते है। अपनी जिंदगी को अच्छे तरीके से बिता सके इसके लिए सिखाना चाहिए।

70 एग्जीबिटर्स ले रहे हैं भाग

उन्होंने कहा कि जयपुर और देशभर के स्कूल लीडर्स भाग्यशाली हैं, जो उन्हें इस विशेष अवसर का हिस्सा बनने का मौका मिला। इससे पहले दिशा स्कूल के स्टूडेंट्स ने विशेष प्रस्तुति दी। इस दौरान ग्रेट इंडियन स्कूल टूर का लॉन्च और एक्सपो स्पेस का उद्घाटन, जिसमें 40 एग्जीबिटर्स भाग ले रहे हैं, भी फेस्ट के पहले दिन मुख्य आकर्षण का केंद्र रहे।

वाइट पेपर के लिए एआई और टेक्नोलॉजी का उपयोग

स्कून्यूज के संस्थापक और सीईओ, रवि संतलानी ने बताया कि कॉन्फ्रेंस में सभी चर्चाओं का पूरी बारीकी से डॉक्यूमेंटेशन किया जा रहा है। 'वाइट पेपर' तैयार करने के लिए एआई और टेक्नोलॉजी का लाभ उठाया जा रहा है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इस आयोजन से प्राप्त अंतर्दृष्टि का उपयोग शिक्षा क्षेत्र में अतिरिक्त स्टेकहोल्डर्स को प्रशिक्षित करने और लाभान्वित करने के लिए किया जा सके। एमएसएमएस II ट्रस्ट, सिटी पैलेस की ट्रस्टी, रमा दत्त ने एसजीईएफ के क्यूरेटर्स को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि इतने प्रकार के अनुभवों को एक जगह लाना कोई आसान काम नहीं है, लेकिन एसजीईएफ ने बेहतरीन काम किया है।

पौधारोपण में कीर्तिमान पर सचिव ने दी बधाई

बेधड़क | जयपुर

स्कूल शिक्षा विभाग के शासन सचिव कृष्ण कुणाल ने हरियाली तीज के अवसर पर हरियालो राजस्थान : एक पेड़ माँ के नाम महा अभियान में शिक्षा विभाग द्वारा पूरे प्रदेश में 1 करोड़ 50 लाख से अधिक पौधे लगाकर विश्व रिकॉर्ड बनाने के लिए विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों, कार्मिको, अधिकारियों सहित जन प्रतिनिधियों को बधाई दी है। कुणाल ने कहा कि सभी के द्वारा हरियालो राजस्थान महा अभियान को मेहनत एवं पूरी निष्ठा के साथ संपादित किया गया, जिसके लिए सभी को बहुत बधाई और धन्यवाद । उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री तथा मुख्य सचिव महोदय ने शिक्षा विभाग के प्रयासों की भूरी भूरी प्रशंसा की है।

विवि शिक्षक मौर्य ने सालभर में ही निखारा अंबेडकर केंद्र को

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान विश्वविद्यालय के डॉ. अंबेडकर अध्ययन केंद्र को यहां की निदेशक डॉ. सुमन मौर्य ने अपने एक वर्ष के अल्प कार्यकाल में नई पहचान देकर निखारा है। सीमित संसाधन और बिना किसी वित्तीय सहायता के मौर्य ने केंद्र में अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी, राष्ट्रीय संगोष्ठी, कार्यशाला, वाद विवाद प्रतियोगिता, पौधारोपण कार्यक्रम, रक्तदान शिविर सहित अनेकों कार्य करवाए हैं। इस दौरान देश और विदेश के प्रतिष्ठित कुलपति, प्रोफेसर व अन्य गणमान्य अतिथि केंद्र में आए हैं। निदेशक मौर्य ने बताया कि उनके कार्यकाल में 16 कार्यक्रम सफलता पूर्वक आयोजित करवाए हैं। वहीं अब उनके प्रयासों से डॉ. अम्बेडकर अध्ययन केन्द्र को राजस्थान विश्वविद्यालय के नॉन-प्लान प्रोजेक्ट से प्लान प्रोजेक्ट में लाने का कार्य हुआ है। इससे केन्द्र को आगामी दिनों में वित्तीय सहायता मिल सकेगी और केन्द्र बेहतर तरीके से संचालित हो सकेगा।

व्याख्यान | राजस्थान विश्वविद्यालय के समाज विज्ञान शोध केन्द्र में हुआ कार्यक्रम

'परम्पराएं मरती नहीं हैं, परिवर्तित होता है स्वरूप'

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान विश्वविद्यालय के समाज विज्ञान शोध केन्द्र में मंगलवार को 'लोक एवं मौखिक परम्परा (फॉल्क एंड ऑरल टेड्रिशन) विषयक व्याख्यान श्रृंखला के तहत प्रथम विशेष व्याख्यान "लोकसाहित्य की अवधारणा एवं शोध' विषय पर प्रोफेसर महीपाल सिंह राठौड (हिन्दी विभाग, जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर) द्वारा दिया गया। समाज विज्ञान शोध केन्द्र के निदेशक डॉ. अनिल अनिकेत ने 'लोक एवं मौखिक परम्परा' (फॉक एंड ऑरल ट्रेडिशन) विषयक व्याख्यान श्रृंखला की जानकारी देते हुए बताया कि इसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं शिक्षकों में लोक एवं लोक मानस के प्रति रुचि जाग्रत करना एवं इसके नवीन आयामों को आलोकित करने लिए शोध को प्रोत्साहित करना है।

50 विद्यार्थी और शोधार्थी ने लिया भाग

प्रो. एस.एल. शर्मा ने कहा कि 'परम्पराएं मरती नहीं है, बल्कि इनके स्वरूप में परिवर्तन होता है। इस विशिष्ट व्याख्यान में प्रो. एस.एल. शर्मा, प्रो. सीमा अग्रवाल, प्रो. वी.के. वशिष्ठ, प्रो. गीतासिंह, डॉ. गौरव गोठवाल, डॉ. क्षिप्रा जैन, डॉ. संजू चौधरी, डॉ. तमेघ पंवर, डॉ. बन्दना अग्रवाल उपस्थित रहे। विशेष व्याख्यान में लगभग 50 विद्यार्थियों और शोधार्थियों ने भाग लिया। डॉ. विशाल विक्रम सिंह ने मंच संचालन करते हुए अन्त में सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

लोकसाहित्य पर डाला प्रकाश

इस विशेष व्याख्यान के प्रमुख वक्ता प्रोफेसर महीपाल राठौड़ ने लोकसाहित्य पर प्रकाश डालते हुए राजस्थान की विभिन्न जातियों एवं जनजातियों के बारे में बताया कि जो लोकसाहित्य को सहेजे हुए हैं जैसे बंजारा, गाड़िया लुहार, मीणा, जोगी, कालबेलिया, भील, कथौड़ी आदि। प्रोफेसर राठौड़ ने लोकसाहित्य की विभिन्न विधाओं जैसे लोकगीतों, लोकोक्तियों, पहेलियों, मुहावरों, लोकगाथाओं आदि पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि राजस्थान के लोकसाहित्य में अनेक आयाम बाहर से आई हुई जनजातियों के माध्यम से स्थानीय लोकजीवन में समाहित हुई हैं, जैसे पीपल पूजा, तुलसी पूजा, नारियल पूजा, पशु पूजा आदि शामिल है।

सच बेधड़क

कीर्ति स्तम्भ

दशरथ मालावत

जल- प्रबंधन

पानी के महत्व को कौन नहीं जानता। पानी जीवन आधार है कहते हैं भोजन बगैर प्राणी जीवित रह सकते हैं परन्तु प्राणी मात्र के जीवन की डोर जब तक चलती है या सांस चलती है तब तक पानी जरूरत रहती है। बहुत पहले कवि -रहीम ने सार्थक दोहा लिखा- "रहिमन पानी राखिए बिन पानी सब सून। पानी गए न ऊबरे मोती मानुष चून"। इसमें मानव मात्र के लिए तथा प्रत्येक प्राणी के लिए पानी की उपयोगिता तथा उसके महत्व को भली भांति मात्र दो पंक्तियों में ही समझा दिया गया है।

कहते हैं तीसरा विश्व युद्ध यदि कभी होगा तो पानी के लिए होगा। जल अनमोल है जल संरक्षण के लिए विविध प्रयास किए जाते रहे परंतु जब तक जन जागृति नहीं होगी प्रत्येक व्यक्ति जो पानी का उपयोग करता है वह उसके महत्व को नहीं समझेगा तब तक व्यर्थ में पानी गंवाना जारी रहेगा। वाटर हार्वेस्टिंग पानी के संरक्षण के लिए आवश्यक है वही अत्यधिक वर्षा पर आपदा प्रबंधन का महत्व सभी जान गये होंगे। विगत दो दिनों की वायनाड से प्रारंभ हुई सम्पूर्ण भारत मे हुई अतिवृष्टि के बाद आपदा प्रबन्धन का महत्व सभी के समझ में आ गया होगा। यह प्रकृति का स्पष्ट संकेत है कि जो अनमोल जल समय अनुकूल प्रकृति प्रदान कर रही है उसका संरक्षण करें तथा उसके महत्व को समझें। प्रकृति कभी मुंह से नहीं बोल सकती परंतु उसके संकेत बड़े स्पष्ट होते हैं। जल स्तर निरंतर गहरा होता जा रहा है। प्रकृति के साथ अत्यधिक उपेक्षा, ग्लोबल वार्मिंग, जल संरक्षण के प्रति उदासीनता आदि ऐसे तथ्य हैं जो अपने आप में महत्व पूर्ण है। पानी के महत्व को रेगिस्तान का व्यक्ति जितना सही रूप में जानता है उतना कोई नहीं जानता है। प्राकृतिक जल स्रोत से छेड़छाड़, निरंतर वन की कटाई, पेड़ पौधों को पहुंचायी जाने वाली हानि, अत्यधिक खनन, वातानुकूलन के लिए प्रयुक्त किये जाने वाले प्रयुक्त उपकरण नदी जल स्तर गिरना एवं ग्लेशियर का पिघलना, ग्लोबल वार्मिंग एवं समुद्र तट पर आने वाली आपदा आदि वह संकेत हैं जो पानी के महत्व को दिन प्रतिदिन हमें समझा रहे हैं। बोतल में बंद पानी पीने वाला व्यक्ति इन सभी तथ्यों को अनदेखा करता जा रहा है।

प्रारंभिक पंचतत्व में भी जल का अपना उच्च स्थान रहा है। अग्नि, आकाश, पृथ्वी, वायु के साथ ही मूल तत्व जल का महत्व हमें सदैव याद रखना होगा। अतः जल संरक्षण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता हो इसके साथ ही अतिवृष्टि के समय प्राकृतिक आपदा से बचाव के पुख्ता प्रबंध का होना अति आवश्यक है। इसीलिए ये कहा जाता है कि-

ना हो आपसी विवाद
और क्रन्दन,
तो करना होगा श्रेष्ठ
जल प्रबंधन।

X

भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री, राजस्थान
@BhajanLalBJP

माननीय प्रधानमंत्री श्री @narendramodi जी के आह्वान पर "हर घर तिरंगा" अभियान के अंतर्गत आज प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर सामूहिक रूप से लोगों ने भागीदारी निभाई। मैं समस्त प्रदेशवासियों से यह अनुरोध करता हूं कि आगामी दिवसों में इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभियान में उत्साहपूर्वक सहभागिता करें एवं "हर घर तिरंगा" अभियान के अंतर्गत अपने निवास स्थान पर गर्व से राष्ट्रीय ध्वज फहराएं। यह कार्य राष्ट्रीय एकता और गौरव का प्रतीक होगा।

योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश
@myogiadityanath

पवित्र नाग पंचमी के अवसर पर आज लखनऊ में 'काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव' के शुभारंभ का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस अवसर पर काकोरी ट्रेन एक्शन पर आधारित पुस्तिका एवं डाक आवरण का विमोचन करने के साथ ही वीर शहीदों के परिजनों को सम्मानित भी किया। भारत की स्वाधीनता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले सभी ज्ञात-अज्ञात महान क्रांतिकारियों की स्मृतियों को नमन एवं उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि!

बांग्लादेश का घटनाक्रम

बिल्कुल असामान्य है शेख हसीना का तख्ता पलट

अवधेश कुमार
वरिष्ठ पत्रकार

विश्लेषक बता रहे हैं कि शेख हसीना का जमीन से संपर्क कट गया था, महंगाई बढ़ गई थी, मध्यम वर्ग कठिनाई में था, नौकरियां मिल नहीं रही थी!

"सेना प्रमुख ने शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग को छोड़कर सभी पार्टियों की बैठक बुलाई जिसमें उनके अनुसार अंतरिम सरकार बनाने पर सहमति बनी। इसके बाद सेना के जवानों द्वारा विजय मुद्रा में फायर करने के वीडियो सामने आने लगे। जहां-जहां से शेख हसीना की तस्वीर हटती वहां सुरक्षा में लगे जवान खुशियां मनाते। कुल मिलाकर पूरा तख्ता पलट सामान्य घटना नहीं है।"

बांग्लादेश का संपूर्ण घटनाक्रम भयभीत करने वाला है। हमने पूरा अराजकता का वातावरण देखा जिसकी कल्पना नहीं की गई थी। प्रधानमंत्री आवास से लेकर कार्यालय, संसद भवन, सचिवालय सब पर हुआ कब्जा, लूट और अराजकता का आलम बांग्लादेश की दुर्दशा बताने के लिए पर्याप्त था। देश में अत्यंत संघर्ष के बाद एक ओर जहां संसदीय लोकतंत्र पटरी पर स्थापित होता लग रहा था, वहीं कुछ ही घंटों के अंदर ऐसा हो गया जैसे सब कुछ पुरानी अवस्था में जा रहा हो। बांग्लादेश आगे किस दिशा में मुड़ेगा अभी कहना कठिन है। किंतु आरक्षण विरोधी आंदोलन की आग में शेख हसीना की प्रधानमंत्री की कुर्सी चली जाएगी और उन्हें विवश होकर देश छोड़ना पड़ेगा इसकी कल्पना एक दिन पहले तक नहीं की गई थी। प्रश्न यह है कि ऐसा हुआ क्यों?

आरक्षण विरोधी आंदोलन सामान्य नहीं था। पहले 56% आरक्षण था, जिनमें 30% स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों के लिए, 5% धार्मिक अल्पसंख्यकों, 10% महिलाओं, 10% पिछड़े जिलों और एक प्रतिशत दिव्यांगों के लिए था। शेख हसीना ने ही 2018 में इस आरक्षण व्यवस्था को खत्म किया। तो उनको आरक्षण का खलनायक नहीं माना जा सकता। हाई कोर्ट ने फिर इस आरक्षण को लागू किया और उसके विरुद्ध आंदोलन आरंभ हुआ। किंतु उच्चतम न्यायालय ने इस आदेश को निरस्त कर दिया। उसके बाद बांग्लादेश में केवल 7% आरक्षण बचा जिनमें स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों के लिए 5% एवं धार्मिक अल्पसंख्यकों के लिए दो प्रतिशत शामिल है। यानी 93% आरक्षण से बाहर था। शेख हसीना ने आंदोलनकारियों से आंदोलन वापस लेने की अपील की। ऐसा लगा भी कि आंदोलन अब समाप्त हो गया। अचानक आंदोलनकारी छात्र समूह ने शेख हसीना को सत्ता से हटाने का आह्वान करते हुए 6 अगस्त को ढाका मार्च की घोषणा कर दी। फिर ऐलान हुआ कि मार्च 5 अगस्त कोई होगा और हजारों की संख्या में हिंसा, तोड़फोड़ करते आगे बढ़ गया। कह सकते हैं कि जितनी संख्या में आंदोलन के दौरान लोग मारे उसके विरुद्ध गुस्सा था। सरकार ने 157 लोगों के मरने मरना स्वीकार किया तथा उनकी जांच के लिए आयोग की भी घोषणा की। यह भी कहा गया कि मृतकों के परिवारों के साथ न्याय होगा। बावजूद मामला यहां तक कैसे पहुंचा और एक दिन 4 अगस्त में 98 से ज्यादा लोग कैसे मारे गए?

इस आंदोलन का सच समझने के लिए सबसे पहले शेख हसीना के बांग्लादेश छोड़ने के बाद के दृश्यों पर गहराई से दृष्टि डालने की आवश्यकता है। जीत का ऐसा जश्न मनाया जा रहा था मानो बांग्लादेश को दूसरी आजादी मिली है। फादर ऑफ द नेशन शेख मुजीबुर्रहमान की मूर्ति तोड़ी जा रही थी तो दूसरी ओर शेख मुजीब संग्रहालय में आग लगा दिया गया। पूरे आंदोलन में 300 लोगों के मारे जाने के विरुद्ध गुस्सा समझ में आ सकता है पर पाकिस्तान के शिकंजे से मुक्ति दिलाने वाले शेख मुजीबुर्रहमान को दुश्मन या खलनायक मानकर व्यवहार करने वाले कौन हो सकते हैं? गोली चलाने का आदेश शेख हसीना ने नहीं दिया। पुलिस ने शेख हसीना का साथ क्यों छोड़ा? पुलिस प्रमुख की ओर से कहा गया कि हम संभालने में सक्षम नहीं हैं। उसके बाद सेना को उतारा गया और सेना ने विशेष कुछ किया हो ऐसा लगा ही नहीं। सेना प्रमुख वकार उज जमां ने ऐलान किया कि औनरेबल प्राइम मिनिस्टर ने इस्तीफा दे दिया है, सारी जिम्मेदारी हमारे हाथों हैं, हम अंतरिम सरकार बनाएंगे। सेना प्रमुख ने शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग को छोड़कर सभी पार्टियों की बैठक बुलाई जिसमें उनके अनुसार अंतरिम सरकार बनाने पर सहमति बनी। इसके बाद सेना के जवानों द्वारा विजय मुद्रा में फायर करने के वीडियो सामने आने लगे। जहां-जहां से शेख हसीना की तस्वीर हटती वहां सुरक्षा में लगे जवान खुशियां मनाते। कुल मिलाकर पूरा तख्ता पलट सामान्य घटना नहीं है। इसे किसी लोकतांत्रिक आंदोलन की परिणति नहीं माना जा सकता।

शेख हसीना 2009 से लगातार चुनाव जीतकर शासन में आतीं रहीं। वह अलोकप्रिय या तानाशाह होतीं तो मतदान में वोट कैसे मिलता। कहा जा रहा है कि वर्तमान यानी 2024 संसदीय चुनाव का सभी पार्टियों ने बहिष्कार किया इसलिए लोगों के पास एक ही विकल्प था। 2014 और 2019 में क्या था? आप पूरे आंदोलन में ध्यान से शामिल लोगों के बयान देखेंगे तो कुछ बातें स्पष्ट हो जाएंगी। मसलन, कोई इसमें इस्लामी शासन की बात कर रहा है, कोई कह रहा है कि हमें कॉर्पोरेट अर्थव्यवस्था नहीं चाहिए शेख हसीना ने देश को कॉर्पोरेट के हवाले कर दिया है। कई विश्लेषक बता रहे हैं कि शेख हसीना का जमीन से संपर्क कट गया था, महंगाई बढ़ गई थी, मध्यम वर्ग कठिनाई में था, नौकरियां मिल नहीं रही थी और वह समझ नहीं पाई। बांग्लादेश के आर्थिक आंकड़ों को विश्व मानकों पर इस समय विकासशील देशों की कतार में संतोषजनक माना जाता है। हसीना पहली प्रधानमंत्री थीं, जिन्होंने अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाकर विश्व में देश की छवि बदली, शिक्षा में सुधार किया, विदेश नीति में बांग्लादेश को अमेरिका या चीन किसी के पाले में जाने से बचाया, सेना को न निष्प्रभावी किया न ज्यादा प्रभावी होने दिया, कट्टरपंथियों, इस्लामवादियों, जिहादी एवं अन्य उग्रवादी समूहों को नियंत्रित कर बांग्लादेश में शांति और स्थिरता बनाए रखने में काफी हद तक सफलता प्राप्त की, पाकिस्तान की साजिशों को सफल नहीं होने दिया तथा अमेरिका के दबाव को भी अस्वीकार किया। ये नीतियां एक साथ देश के अंदर और बाहर उनके विरोधियों- दुश्मनों की संख्या बढ़ाने के लिए पर्याप्त था।

उनके विरुद्ध पांच तरह की शक्तियां सक्रिय थीं। पाकिस्तान तथा देश के अंदर कट्टरपंथी जिहादी समूह, वैश्विक वाम इकोसिस्टम, अमेरिका और चीन। पाकिस्तान, जिसके अंदर टीस बनी हुई है कि शेख हसीना के पिता ने विभाजन करा कर बांग्लादेश को स्वतंत्र किया। पूरे आंदोलन के दौरान सबसे ज्यादा सक्रियता, वक्तव्य और बहस पाकिस्तान से सामने आए। वहां के पूर्व राजनयिक, सैन्य अधिकारी, विश्लेषक आदि स्पष्ट कह रहे थे कि पाकिस्तान पूरी भूमिका निभा रहा है। शेख हसीना का यह बयान कि आंदोलन के नाम पर आतंकवादी कट्टरपंथी तत्व हिंसा कर रहे हैं गलत नहीं था। वैश्विक लेफ्ट इकोसिस्टम भारत की तरह ही बांग्लादेश में भी सक्रिय हैं और वह छात्रों नवजवानों के बीच शेख हसीना शासन के विरुद्ध असंतोष पैदा करने की लंबे समय से भूमिका निभा रहा था। आंदोलन के दौरान सोशल मीडिया के माध्यम से कट्टरपंथी जेहादी, पाकिस्तान तथा वामपंथी इकोसिस्टम इतना सक्रिय था कि हमारे सामने केवल एक पक्ष ही आता रहा। अमेरिका हसीना से कितना परेशान था इसका अनुमान इसी से लगाइए कि उनकी पार्टी अवामी लीग के सदस्यों के लिए उसने वीजा पर रोक लगा दी तथा मांग किया कि हसीना त्यागपत्र दें और चुनाव के पहले अंतरिम सरकार बनाई जाए। आप देखेंगे कि पूरे आंदोलन के दौरान अवामी लीग के सदस्यों पर हमले हुए, उनके घर जलाए गए, यहां तक कि चुन-चुन कर अल्पसंख्यक हिंदुओं को निशाना बनाया गया, आज भी बनाए जा रहे हैं। अगर इसे कोई सरकार के विरुद्ध स्वाभाविक असंतोष की परिणति मानता है तो उसकी बुद्धि पर तरस आएगी। इस समय अमेरिका भले खुश हो, लेकिन आने वाले समय में इस्लामवादी कट्टरपंथी तत्वों तथा पाकिस्तान की भूमिका जबरदस्त चुनौती बनेगी। भारत के लिए नए सिरे से चुनौती खड़ी हुई है जिनका सामना करने के लिए हमें लंबी तैयारी करनी पड़ेगी।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यंग्य

मुसद्दी का क्रिकेट-प्रेम

पूरन सरमा
व्यंग्यकार

मुसद्दीलाल की हालत इन दिनों खराब है। अनमना, घबराया, चौकन्ना और डरा हुआ-सा दीखता है। न खाने की सुध न ढंग से कपड़े पहनने की फुरसत। सदैव एक तनाव-सा बना रहता है। उसकी स्थिति इन दिनों पागलों की-सी है। इन सबके मूल में कारण देश में क्रिकेट के खेल का चलना है। मुसद्दी हर किसी से पूछता फिरता है-'क्यों भाई क्या स्कोर चल रहा है?'

जब यही प्रश्न एक दिन मुसद्दीलाल ने मुझसे कर लिया तो मैंने उसे समझाया- 'इससे बढ़िया तो यह रहे कि तुम एक पाकेट रेडियो अपने साथ रखो।' अपनी जेब से छोटा-सा रेडियो निकालकर मुझे दिखाते हुए मुसद्दी बोला- 'रेडियो तो मेरे पास है यार। मगर यह स्साला साब का बच्चा है न, कई बार टोक चुका है और फिर अन्त में इसके सैल निकालकर रख लिए।' इतनी-सी बात बताते हुए भी मुसद्दी के चेहरे पर गुस्से के भाव थे। मैंने कहा- 'सच! मुसद्दी, ऐसे में ऑफिस का साब बीमार हो जाए।'

'सही है, सन्नीपात हो जाए। मरदुआ स्वयं कमेंट्री सुनता रहता है और ऑफिस के स्टॉफ को सुनने से रोकता है। कौन समझाए उसे कि इस देश की प्रतिष्ठा दांव पर लग रही है। भोंदू है पूरा।' मुसद्दी अब भी गुस्से में था। 'तुम्हारी क्या हालत हो रही होगी इस समय मुसद्दी? तेरा दर्द तो तू ही जाने।' अपनी वाणी में अत्यन्त सहानुभूति का पुट लगाए हुए मैंने उससे पूछा। इतना सुनते ही तो मुसद्दी खुल पड़ा-'क्या बताऊं भाई, उसे इसने खा लिया और घर की तो कुछ पूछो ही मत। पूरा कबाड़खाना है। जरा रेडियो हाथ में लिया नहीं कि श्रीमती का पारा आसमान छूने लगता है। कहेंगी, सब्जी लाओ, चक्की से आटा लाओ, बच्चों को पढ़ाओ, हाथ-मुंह धो लो, मकान के किराये का इन्तजाम करो। उसे सारी बातें तब ही सूझती हैं जब मैं कमेंट्री सुनता हूँ। सही बताऊं, दो रेडियो पहले उसके गुस्से को समर्पित हो चुके हैं। यह तो तीसरा है। इतना कहकर वह मुझसे बोला-'जरा मालूम तो करो यार, क्या स्कोर चल रहा है?' मैं किसी से कुछ पूंछू इससे पहले तो मुसद्दी ने एक सज्जन से पूछ लिया- 'क्यों भाई साहब! क्या स्कोर चल रहा है?'

शायद यह सज्जन स्कोर, कमेंट्री और क्रिकेट तीनों से अनभिज्ञ थे, उन्होंने मुसद्दी का व्यंग्य अपने घर के प्रतिवर्ष बढ़ने वाले बच्चों के स्कोर की ओर समझा, अतः वह घूरते हुए बोले-'आपको क्या आपत्ति है?' 'आपत्ति किस बात की भाई! स्कोर बताने में तो आपको भी किसी प्रकार की आपत्ति नहीं होनी चाहिए। यह तो राष्ट्रीय कार्यक्रम है।' 'अरे लल्लू, मुझे क्या समझता है। मैं इमरजैंसी में ही इस राष्ट्रीय कार्यक्रम को नहीं अपना सका तो अब क्या अपनाऊंगा और सुनो, घर में कुल सात बच्चे हैं, कर लो, जो कुछ करना है।' सज्जन इतने उत्तेजित हो चुके थे कि मुसद्दी को झुंझलाहट आ गई। वह भी गुस्से में चीखा-'क्या तुम बता सकते हो इसमें कोई छक्का या चौका भी शामिल है क्या?' छक्का और चौका भी सज्जन की समझ से परे था। बोले-'क्या होता है यह छक्का और चौका, तुम्हारा भेजा तो खराब नहीं है लाला! गृहस्थी में फंसोगे तब पता चलेगा।' गृहस्थी का नाम सुनते ही मुसद्दी के मुंह मे कड़वाहट भर गई। उसे अपने चौके का स्मरण हो गया। मेरी ओर मुखातिब होकर मुसद्दी बोला-'देखा हाल, इसीलिए तो देश का विकास नहीं हो रहा है। सही मायने में तो जिन दिनों यह खेल शुरू हो, तब सरकारी स्तर पर अवकाश की व्यवस्था होनी आवश्यक है। मैं अपनी बताऊं, मैं सालभर छुट्टी लेने में इसीलिए कजूंसी बरतता रहता हूं कि पता नहीं क्रिकेट कब शुरू हो जाए।'

सरकारी स्तर पर रेडियो सैट्स की सुविधाएं प्रेमियों को सुलभ करवाऊं। क्रिकेट के दिनों में कार्यालय का कामकाज ठप्प करवा दूं। सिर्फ टेबिलों पर कमेंट्री सुनी जाती रहे और तो और, पत्नियों को मायने की राह दिखाऊं।' मैंने मुसद्दी को भावनाओं में बहने से रोका और कहा-'लेकिन इससे तो सुखी दाम्पत्य जीवन में जहर भी घुल सकता है।'

'घुले तो घुले, या तो क्रिकेट का विकास कर लो या सुखी दाम्पत्य जीवन भोग लो। फिर यह तो समझने की बात है कि लेटेस्ट फैशन हमारी प्रगतिशीलता का द्योतक है।' मुसद्दी ने मुझे बिल्कुल व्यावहारिक रूप से समझाना चाहा। लेकिन तभी मुसद्दी को दौरा आया और वह चीखा- 'लेकिन मुझे अभी बताओ, क्या स्कोर चल रहा है?'

मुसद्दीलाल की चीख से दफ्तर में सन्नाटा छा गया और दफ्तर का साहब निकल आया। उसने मुसद्दी की चीख को पूरा सम्मान दिया और पास आकर बोला-'चिल्लाया मत करो मुसद्दी, भारत के चार पर चवालीस चल रहे हैं।' मुसद्दी का चेहरा लटक गया और बॉस पुनः अपने चैम्बर में लौट गया। मैं मुसद्दीलाल के क्रिकेट-प्रेम पर नतमस्तक हो गया। मेरी आंखें श्रद्धा से श्रद्धांजलि रूप में मुसद्दीलाल के सामने झुक गई।

सरकारों को सुननी होगी ग्रामीण महिलाओं की आवाज

अमित बैजनाथ गर्ग
वरिष्ठ पत्रकार

"ग्रामीण महिलाओं के अथक प्रयासों को मान्यता देना दूसरों को प्रेरित करता है। यह एक लहर जैसा प्रभाव पैदा करता है, जिससे अधिक टिकाऊ आजीविका वाले भविष्य की दिशा में बहुत जरूरी बदलाव होता है। हालांकि सरकार अपने स्तर पर प्रयास कर रही हैं, लेकिन आम आदमी के सामाजिक सरोकारों के बिना लक्ष्यों को हासिल कर पाना आसान नहीं है।"

राष्ट्रीय स्वास्थ्य सर्वेक्षण के विश्लेषण से पता चलता है कि भारत की आबादी का लगभग आधा हिस्सा (करीब 48 प्रतिशत) होने के बावजूद महिलाएं सकल घरेलू उत्पाद में केवल 18 प्रतिशत का ही योगदान देती हैं। इस अंतर को ग्रामीण महिलाओं के सामने आने वाली विभिन्न चुनौतियों के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है, जिसमें सांस्कृतिक बाधाएं, सीमित अवसर, शिक्षा की कमी और ऋण तक सीमित पहुंच शामिल है। एक रिपोर्ट कहती है कि इस लैंगिक अंतर को पाटने से साल 2025 तक भारत की जीडीपी में 18 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है।

यह एक सक्षम वातावरण बनाने के महत्व को रेखांकित करता है, जो महिलाओं को उनकी पूरी क्षमता तक पहुंचने के लिए सशक्त बनाता है। उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानते हुए राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन जैसी कई पहलों को इस अंतर को पाटने और ग्रामीण महिलाओं के लिए आजीविका के अवसरों का विस्तार करने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए।

हमें इस बात को समझने की जरूरत है कि जलवायु परिवर्तन भी ग्रामीण महिलाओं को प्रभावित कर रहा है। असल में ग्रामीण महिलाएं अक्सर दुनिया के गरीब तबकों में से होती हैं और अपनी रोजी-रोटी के लिए स्थानीय प्राकृतिक संसाधनों पर ज्यादा निर्भर रहती हैं। इस प्रकार के परिवर्तन से घरेलू जल, भोजन और ईंधन की सुरक्षा पर असर पड़ता है, जिनके लिए महिलाएं भी जिम्मेदार होती हैं। सूखे और बारिश में अनियमितता की वजह से महिलाओं को पानी और ईंधन इकट्ठा करने में अधिक समय बिताना पड़ता है। इससे फसलों और पशुओं की सेहत पर भी असर पड़ता है, जिससे महिलाओं को कम भोजन के लिए ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। सामाजिक संरचनाओं, भेदभावपूर्ण मानदंडों और संस्थाओं की वजह से महिलाओं को पुरुषों की तुलना में अधिक घरेलू काम और बच्चों की देखभाल का बोझ उठाना पड़ता है। इससे उनकी पढ़ाई और नौकरी पाने के अवसर सीमित हो जाते हैं।

जलवायु परिवर्तन के अनुकूलन के लिए ग्रामीण महिलाओं को नेतृत्वकर्ता बनाया जा सकता है। इसके लिए उन्हें कौशल, क्षमताएं, संपत्तियां और संसाधन दिए जा सकते हैं। इसके साथ ही लिंग-केंद्रित सार्वजनिक नीतियां भी बनाई जा सकती हैं। इन नीतियों से ग्रामीण महिलाओं की क्षमताओं को कम करने वाले अंतर को घटाने में मदद मिल सकती है। पिछले एक दशक से भी अधिक समय से ग्रामीण महिलाओं के लिए आजीविका कार्यक्रमों ने उनके समुदायों में असाधारण योगदान दिया है। ग्रामीण महिलाओं के अथक प्रयासों को मान्यता देना दूसरों को प्रेरित करता है। यह एक लहर जैसा प्रभाव पैदा करता है, जिससे अधिक टिकाऊ आजीविका वाले भविष्य की दिशा में बहुत जरूरी बदलाव होता है। हालांकि सरकार अपने स्तर पर प्रयास कर रही हैं, लेकिन आम आदमी के सामाजिक सरोकारों के बिना लक्ष्यों को हासिल कर पाना आसान नहीं है। महिलाओं को अधिक समतापूर्ण समाज के लिए सशक्त बनाने के अलावा हमें उनकी आजीविका पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव पर भी विचार करना चाहिए। अप्रत्याशित मौसम की घटनाएं, बढ़ता तापमान और बारिश के बदलते पैटर्न तेजी से परिदृश्य को बदल रहे हैं, जो एक बड़े खतरे की ओर संकेत कर रहे हैं। हाल ही में कॉप 28 सम्मेलन में भी जलवायु परिवर्तन के मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई है। इसमें कहा गया है कि जलवायु परिवर्तन लिंग तटस्थ नहीं है। असल में आजीविका पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को देखने के लिए हमें ग्रामीण भारत की ओर रुख करना होगा। महाराष्ट्र जैसे राज्यों में आजीविका कार्यक्रमों पर चर्चा हो रही है और वहां बड़े बदलाव देखने को मिल रहे हैं। इसी तरह अन्य राज्यों में भी आजीविका कार्यक्रमों के अप्रत्याशित परिणाम देखने को मिल रहे हैं।

हालांकि अभी भी प्रयासों में और तेजी लाए जाने की दरकार है, जिसके लिए हमें कदम उठाने होंगे। इस तरह के कार्यक्रमों से जुड़े सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि हम अब केवल बाधाओं को तोड़कर महिलाओं को सशक्त नहीं बना रहे हैं, बल्कि एक नई लड़ाई का सामना कर रहे हैं। यह लड़ाई है बदलती जलवायु के सामने उनकी आजीविका को बनाए रखना। यह कहीं अधिक कठिन चुनौती भरा काम है। खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) की एक रिपोर्ट कहती है कि महिला प्रधान ग्रामीण परिवार जलवायु परिवर्तन के झटकों के दौरान असामान्य रूप से प्रभावित होते हैं। एक डिग्री तापमान बढ़ने का अर्थ है पुरुष प्रधान परिवारों की तुलना में उनकी आय में 34 प्रतिशत की भारी गिरावट। इससे एक महत्वपूर्ण सवाल उठता है कि इस वैश्विक परिवर्तन को देखते हुए राष्ट्रीय जलवायु योजनाओं में अक्सर इन सबसे अधिक जोखिम वाले समुदायों का समर्थन करने के लिए ठोस कार्रवाई की कमी क्यों होती है? जलवायु परिवर्तन नीति निर्माण में महिलाओं का अक्सर कम प्रतिनिधित्व क्यों होता है? जलवायु परिवर्तन केवल असमानता को और बढ़ा रहा है। इन बातों पर अक्सर चर्चा कम होती है, जो कि ज्यादा होनी चाहिए।

एफएओ की रिपोर्ट कहती है कि ग्रामीण लोगों पर जलवायु परिवर्तन के असमान प्रभावों का समाधान करने में विफलता संपन्न और निर्धन लोगों के बीच तथा पुरुषों और महिलाओं के बीच पहले से मौजूद बड़े अंतर को और अधिक बढ़ा देगी। निम्न और मध्यम आय वाले देशों में ग्रामीण तथा महिला-प्रधान परिवारों को आपदा आने पर पुरुषों की तुलना में पहले से ही अधिक वित्तीय बोझ का सामना करना पड़ता है। यदि वेतन में इन महत्वपूर्ण मौजूदा अंतरों को दूर नहीं किया गया, तो यह अंतर और भी अधिक बढ़ जाएगा। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि वर्तमान वैश्विक तापमान 1800 के दशक के अंत की तुलना में कुल मिलाकर लगभग 1.2 डिग्री सेल्सियस अधिक है, जिसके कारण बाढ़, तूफान और गर्म लहरों जैसे विनाशकारी मौसम में लगातार वृद्धि हो रही है। ***(ये लेखक के निजी विचार हैं)***

चुनाव आयोग का जम्मू कश्मीर दौरा: सभी पार्टियां जल्द चुनाव कराने के पक्ष में... 19 अगस्त बाद हो सकती है चुनाव तिथि की घोषणा

किसी भी ताकत को चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने की अनुमति नहीं: ECE

एजेंसी । जम्मू

मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने शुक्रवार को कहा कि निर्वाचन आयोग जम्मू-कश्मीर में जल्द से जल्द चुनाव कराने के लिए प्रतिबद्ध है और किसी भी आंतरिक या बाहरी शक्ति को चुनाव प्रक्रिया प्रभावित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। सूत्रों के अनुसार आयोग जल्द ही नई दिल्ली में सुरक्षा एजेंसियों के साथ जम्मू-कश्मीर में सुरक्षाबलों की जरूरत और सुरक्षा समीक्षा के बाद चुनाव तिथियों पर फैसला लेगा। 19 अगस्त को संपन्न हो रही अमरनाथ यात्रा के बाद इस पर निर्णय लिया जा सकता है। राजीव कुमार ने जम्मू में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि जम्मू-कश्मीर में सभी दल विधानसभा चुनाव कराने का समर्थन कर रहे हैं।

कुमार के नेतृत्व में निर्वाचन आयोग का एक प्रतिनिधिमंडल चुनाव के लिए प्रशासनिक व सुरक्षा एजेंसियों की तैयारियों की समीक्षा के सिलसिले में तीन दिन की जम्मू-कश्मीर यात्रा पर है। प्रतिनिधिमंडल में निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार और एस.एस संधू भी शामिल हैं। चुनाव आयोग के मुताबिक, इस बार जम्मू कश्मीर विधानसभा की 90 सीटों में 74 सीटें सामान्य और 7 अनुसूचित जाति और 9 सीटें अनसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं। साथ ही आगामी चुनाव में कश्मीरी माइग्रेंट्स के लिए दिल्ली, जम्मू और उधमपुर में स्पेशल बूथ बनाए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि यात्रा के दूसरे दिन शुक्रवार को प्रतिनिधिमंडल ने जम्मू-कश्मीर के मुख्य सचिव अटल डुल्लो और पुलिस प्रमुख आर.आर. स्वैन से मुलाकात की। इससे पहले गुरुवार को चुनाव आयोग के साथ क्षेत्रीय और पार्टियों की मीटिंग हुई, जिसमें कुल 9 पार्टियां शामिल हुईं। चुनाव आयोग के अनुसार राजनीतिक दलों ने आयोग को सुझाव दिया कि लोगों को स्थानीय सरकार मिलनी चाहिए। उन्होंने राजनीतिक गतिविधियों के लिए समान सुरक्षा प्रदान करने का मुद्दा भी उठाया।

अधिकारियों ने बताया कि चुनाव आयोग के प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक में उम्मीदवारों को सुरक्षा कवर प्रदान करने, सुरक्षा बलों की तैनाती सहित अन्य मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। लोकसभा चुनाव में राज्य में 58.46% मतदान हुआ था, जो 35 वर्षों में सबसे अधिक था। राजीव कुमार ने कहा कि सभी दलों ने इसे ऐतिहासिक उपलब्धि कहा है। कुमार ने कहा,पार्टियों ने कहा कि उनकी अच्छी भागीदारी थी और कोई हिंसक घटना नहीं हुई, जिससे लोगों का विश्वास बढ़ा।

2014 से नहीं हुए विधानसभा चुनाव

जम्मू-कश्मीर में 2014 से विधानसभा चुनाव नहीं हुए हैं। साल 2018 में पूर्ववर्ती राज्य की विधानसभा भंग होने के बाद 2019 की शुरुआत में चुनाव होने थे। हालांकि अगस्त 2019 में जम्मू-कश्मीर को विभाजित करके दो केंद्र शासित प्रदेश बनाए जाने के बाद विभिन्न कारणों से विधानसभा चुनाव नहीं हो पाए, जिनमें से एक कारण परिसीमन था, जो 2022 में पूरा हुआ। पिछले साल दिसंबर में उच्चतम न्यायालय ने केंद्र सरकार को 30 सितंबर तक विधानसभा चुनाव संपन्न कराने का निर्देश दिया था।

सिद्धारमैया ने 'मैसूरु चलो' मार्च की निंदा की

मैसूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैय ने कथित भूमि घोटाले को लेकर भाजपा-जद (एस) के मैसूरु चलो मार्च की शुक्रवार को आलोचना की। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों के किसी भी नेता के पास उनसे सवाल करने का नैतिक हक नहीं है। उन्होंने जनता से 'मनुवादियों' को बाहर निकालने को कहा। 'मैसूरु चलो' अभियान से एक दिन पहले सिद्धारमैया ने अपने गृह नगर में शक्ति प्रदर्शन में विपक्ष पर हमला किया। बेंगलुरु से मैसूर तक मार्च का आयोजन मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर किया गया है। आरोप है कि उनकी पत्नी पार्वती को मैसूरी विकास प्राधिकरण में एक घोटाले में फायदा हुआ। विपक्ष का आरोप है कि सिद्धारमैया की पत्नी को शहर के एक दूरदराज इलाके में 3.40 एकड़ जमीन के अधिग्रहण के बदले वैकल्पिक भूखंड मिले।

गुजरात कांग्रेस ने राज्य में शुरू की न्याय यात्रा

अहमदाबाद। गुजरात कांग्रेस ने शुक्रवार को मोरबी से 14 दिवसीय 'न्याय यात्रा' शुरू की। यात्रा के दौरान पिछले पांच वर्षों में भाजपा शासित राज्य में हुई चार बड़ी त्रासदियों के पीड़ितों के लिए न्याय की मांग करेगी। यात्रा मोरबी ब्रिज हादसे में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि के साथ शुरू हुई। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि भाजपा हाल ही में राजकोट गेम जोन में हुई आग समेत इन घटनाओं के असली दोषियों को बचा रही है। विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल के नेता अमित चावड़ा, सेवा दल के अध्यक्ष लालजी देसाई और विधायक जिग्नेश मेवाणी ने अभियान की शुरुआत की। पार्टी प्रवक्ता मनीष दोशी ने कहा कि यह यात्रा 23 अगस्त को गांधीनगर पहुंचने से पहले करीब 350 किलोमीटर की दूरी तय करेगी।

दिल्ली शराब घोटाला मामला: सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला

सिसोदिया को मिली जमानत... 17 माह बाद जेल से आए बाहर

■ पासपोर्ट करना होगा जमा, हर सोमवार को थाने में देनी होगी हाजिरी

एजेंसी । नई दिल्ली

दिल्ली शराब घोटाले में करीब 17 महीने से जेल में बंद मनीष सिसोदिया को शुक्रवार को बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें ईडी और सीबीआई केस में जमानत दे दी। हालांकि, कोर्ट ने जमानत के लिए सिसोदिया के सामने कुछ शर्तें भी रखी हैं। जिसके बाद शुक्रवार शाम करीब पौने सात बजे वे जेल से बाहर आ गए। आम आदमी पार्टी में जश्न का माहौल है। सुप्रीम कोर्ट ने ट्रायल में देरी की वजह से सिसोदिया को राहत दी है। सिसोदिया को पिछले साल 26 फरवरी को गिरफ्तार किया गया था। वह तब से ही तिहाड़ जेल में बंद थे।

सुप्रीम कोर्ट के वकील विवेक जैन ने बताया कि मनीष सिसोदिया ने दिल्ली हाई कोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी थी जिसमें उनकी जमानत याचिका को खारिज कर दिया गया था। सिसोदिया पर आबकारी नीति में गड़बड़ी के आरोप हैं। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अनुसार, सिसोदिया को अपना पासपोर्ट जमा करना होगा, इसका मतलब सिसोदिया देश छोड़कर बाहर नहीं जा सकते। उन्हें हर सोमवार को थाने में हाजिरी देनी होगी। बता दें कि सिसोदिया को करीब 17 महीने जेल के अंदर रहना पड़ा। हालांकि बीच-बीच में उन्हें अपनी पत्नी के खराब स्वास्थ्य के चलते पेरोल दी गई थी। इस फैसले के बाद आम आदमी पार्टी जश्न मना रही है। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने कहा, अपील स्वीकार की जाती है। दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश को रद्द किया जाता है। उन्हें ईडी और सीबीआई दोनों केसों में जमानत दी जाती है।

आतिशी हुई भावुक आंसू निकल पड़े

दिल्ली की मंत्री आतिशी को सिसोदिया को जमानत मिलने की जानकारी दिल्ली के एक स्कूल का उद्घाटन के दौरान मिली। वह मंच पर ही भावुक हो गई। उनकी आंखों से आंसू निकल गए। आतिशी ने कहा, दिल्ली के शिक्षा क्रांति के जनक मनीश सिसोदिया को, जिनको एक झूठे केस में फंसाकर 17 महीने तक जेल में रखा गया। आज सच्चाई की जीत हुई।

आर्टिकल 21 के तहत तुरंत सुनवाई का अधिकार

कोर्ट ने कहा कि शीघ्र सुनवाई का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत स्वतंत्रता का एक पहलू है। मनीष सिसोदिया को शीघ्र सुनवाई के अधिकार से वंचित किया गया है। हाल ही में जावेद गुलाम नबी शेख मामले में भी हम ऐसे ही निपटे थे। हमने देखा कि जब अदालत, राज्य या एजेंसी शीघ्र सुनवाई के अधिकार की रक्षा नहीं कर सकती है, तो अपराध गंभीर होने का हवाला देकर जमानत का विरोध नहीं किया जा सकता है। अनुच्छेद 21 अपराध की प्रकृति के बावजूद लागू होता है।

सांसद संजय सिंह ने किया फैसले का स्वागत

सिसोदिया को जमानत पर खुशी जाहिर करते हुए संजय सिंह ने कहा, सत्य की जीत हुई है। मैंने जैसा पहले भी कहा कि इस मामले में कुछ भी सच नहीं था। जबरन हमारे नेताओं को जेल में रखा गया। मनीष सिसोदिया को 17 महीने तक जेल में रखा गया। क्या प्रधानमंत्री उनके 17 महीनों का हिसाब देंगे। यह समय स्कूलों को बनाने में काम आता। उम्मीद है कि जल्द ही अरविंद केजरीवाल और सत्येंद्र जैन भी बाहर आएंगे।

संविधान की ताकत से जमानत मिली: सिसोदिया

जेल से बाहर आने के बाद सिसोदिया भावुक हो गए। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मनीष सिसोदिया ने कहा, सुप्रीम कोर्ट का दिल से धन्यवाद, संविधान की ताकत से मुझे जमानत मिली। तानाशाही सरकार से निर्दोष लोगों को संविधान बचाएगा। जल्द ही हमारे नेता केजरीवाल भी बाहर आएंगे। इससे पहले सिसोदिया जब तिहाड़ जेल से बाहर आए तो उनके स्वागत के लिए वहां दिल्ली की मंत्री आतिशी और पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह समेत कई अन्य नेता और बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता भी वहां मौजूद थे।

ओवैसी समेत 31 सांसदों को किया शामिल

वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर JPC का गठन

एजेंसी । नई दिल्ली

वक्फ संशोधन विधेयक- 2024 पर विचार करने के लिए शुक्रवार को संसद की संयुक्त संसदीय समिति का गठन कर दिया गया। समिति में कुल 31 सदस्यों को शामिल किया गया है। इसमें लोकसभा से 21 सदस्य और राज्यसभा से 10 सदस्य शामिल हैं। यह समिति अब वक्फ बिल पर मंथन करेगी। इस समिति में लोकसभा से जिन 21 सदस्यों को शामिल किया गया है, उनमें भाजपा के 8 और कांग्रेस के 3 सांसद शामिल हैं। संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने सदन में यह प्रस्ताव रखा जिसे ध्वनिमत से मंजूरी दे दी गई। समिति को शीतकालीन सत्र के पहले सप्ताह के अंतिम दिन तक रिपोर्ट देने के लिए कहा गया है।

संयुक्त संसदीय समिति में जिन लोकसभा सदस्यों को शामिल किया गया है, उनमें जगदंबिका पाल, निशिकांत दुबे, अरुण भारती, तेजस्वी सूर्या, दिलीप सैकिया, गौरव गोगोई, इमरान मसूद, कृष्ण देवरयालु, मोहम्मद जावेद, कल्याण बनर्जी, ए राजा, दिलेश्वर कामैत, अरविंद सावंत, नरेश मस्के और एआईएमआईएम सांसद

असदुद्दीन ओवैसी शामिल हैं। वहीं, राज्यसभा सदस्य डॉ मेधा कुलकर्णी, मोहम्मद नदीम हक, गुलाम अली, डॉ राधामोहन अग्रवाल, नासिर हुसैन, विजय साई रेड्डी, एम मोहम्मद अब्दुल्ला, संजय सिंह और डॉ वीरेंद्र हेज को समिति में शामिल किया गया है।

सरकार ने इस बिल को एक दिन पहले यानी कि 8 अगस्त को लोकसभा में पेश किया था। अल्पसंख्यक मंत्री किरेन रिजिजू ने जैसे ही बिल को सदन के पटल पर रखा तो विपक्षी दल के नेताओं ने हंगामा किया। साथ ही इस विधेयक को लेकर भारतीय जनता पार्टी के कुछ सहयोगियों ने भी सुझाव दिए थे। कांग्रेस के साथ-साथ विपक्षी गठबंधन

इंडिया अलायंस के दलों ने बिल को मुस्लमान विरोधी बताया था और हंगामा किया था। इसके बाद सरकार ने इसे चर्चा के लिए संयुक्त संसदीय समिति को भेजने का फैसला किया था।

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव

राकांपा (शरद) ने शुरू की 'शिव स्वराज्य यात्रा'

■ क्रेन खराब हुई, हादसा टला

एजेंसी । मुंबई

महाराष्ट्र में इस साल अक्टूबर-नवंबर में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए राज्य के राजनीतिक दलों ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी है। विपक्षी गठबंधन महा विकास अघाड़ी में शामिल शरद पवार नीत राकांपा ने शुक्रवार को छत्रपति शिवाजी महाराज के जन्मस्थल शिवनेरी से शिव स्वराज्य यात्रा शुरू की। यात्रा के पहले ही दिन बड़ा हादसा होते होते टल गया। बताया जा रहा है कि क्रेन की ट्रॉली अचानक खराब होने के कारण पार्टी के नेता गिरने से बाल बाल बच गए। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। एक क्रेन में सवार पार्टी नेता छत्रपति शिवाजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद जब वापस क्रेन से नीचे आ रहे थे, तभी यह घटना हुई। इससे एक दिन पहले गुरुवार को उप मुख्यमंत्री अजित पवार नीत राकांपा की नासिक जिले के डिंडोरी से जन सम्मान यात्रा शुरू हुई।

जनता एमवीए के साथ: पाटिल

पाटिल ने जोर देकर कहा कि हाल ही में आए लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद, यह स्पष्ट हो गया है कि महाराष्ट्र के लोग राकांपा (सपा) और विपक्षी दल महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के पीछे एकजुट हो रहे हैं, जिसमें कांग्रेस और शिवसेना (यूबीटी) भी शामिल हैं। बता दें कि हाल के लोकसभा चुनावों में, एमवीए ने राज्य की 48 सीटों में से 30 सीटें जीतीं, जबकि सत्तारूढ़ महायुति (महागठबंधन), जिसमें शिवसेना-भाजपा-राकांपा शामिल हैं, को केवल 17 सीटें मिलीं।

NCERT की पुस्तकों में से संविधान की प्रस्तावना हटाने का मामला

शिक्षा मंत्री के खिलाफ कांग्रेस का विशेषाधिकार हनन का नोटिस

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के खिलाफ राज्यसभा में विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया गया है। ये नोटिस कांग्रेस महासचिव और सांसद जयराम रमेश ने एनसीईआरटी की किताबों से संविधाना की प्रस्तावना को कथित तौर पर हटाने के मुद्दे पर दिया है। जयराम ने प्रधान पर राज्यसभा को गुमराह करने का आरोप लगाया है। हूं। जयराम रमेश ने बुधवार को राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे के बयान का उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने प्रस्तावना को हटाने का मामला उठाया था। मामले में शिक्षा मंत्री ने जवाब दिया कि हाल ही में कक्षा 6 की नई किताबों में भी प्रस्तावना है।

जयराम रमेश ने कहा कि विपक्ष के नेता के जवाब में प्रधान द्वारा दिया गया बयान तथ्यात्मक रूप से गलत और भ्रामक है। उन्होंने नोटिस में कहा, उन्होंने कहा, अपने तर्क के समर्थन में मैं तीसरी कक्षा की पाठ्यपुस्तक 'लुकिंग अराउंड' (पर्यावरण अध्ययन), नवंबर, 2022 संस्करण, हिंदी में पाठ्यपुस्तक जिसका शीर्षक "रिमझिम-3' (नवंबर, 2022 संस्करण) है और छठी कक्षा की पाठ्यपुस्तक की प्रतियां संलग्न कर रहा हूं। रमेश ने कहा कि स्कूली बच्चों की पाठ्यपुस्तकों में से संविधान की प्रस्तावना को हटा देना भारत के संविधान की भावना के बारे में इस देश के युवाओं के बीच जागरूकता पैदा करने की अवधारणा का घोर अपमान है। उन्होंने कहा कि सदन के पटल पर भ्रामक और तथ्यों की गलत बयानी विशेषाधिकार का उल्लंघन और सदन की अवमानना है। इसलिए मेरा धर्मेंद्र प्रधान के खिलाफ विशेषाधिकार हनन की कार्यवाही शुरू करने का अनुरोध है।

लोकसभा व राज्यसभा अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

जया बच्चन की टिप्पणी पर सभापति धनखड़ हुए नाराज, सदन में हंगामा

एजेंसी । नई दिल्ली

लोकसभा और राज्यसभा दोनों में शुक्रवार को विपक्ष ने जमकर हंगामा किया। लोकसभा में जहां वक्फ बोर्ड विधेयक को लेकर हंगामा हुआ तो वहीं, राज्यसभा में जया बच्चन के मामले में हंगामा हुआ। हंगामे बीच ही दोनों सदनों का सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया।

राज्यसभा में एक बार फिर सभापति जगदीप धनखड़ और सपा सांसद जया बच्चन के बीच गर्मागर्म बहस देखने को मिली। धानखड़ ने विपक्षी सांसदों पर संविधान और लोकतंत्र की अवहेलना का आरोप लगाया। कार्यवाही के दौरान सभापति ने जया अमिताभ बच्चन का नाम सदन को संबोधित करने के लिए पुकारा। इस पर जया बच्चन ने धनखड़ के टोन पर सवाल उठा दिया। इसके बाद सदन में हंगामे की स्थिति पैदा हो गई। बहस इस कदर बढ़ी कि विपक्ष ने सोनिया गांधी के नेतृत्व में सदन से वॉकआउट कर दिया।

जया बच्चन: आपकी टोन सही नहीं। यह अस्वीकार्य है।

धनखड़: आप एक सेलेब्रिटी होंगी, लेकिन आपको डेकोरम समझना होगा।

जया बच्चन ने कहा कि मैं एक कलाकार हूं। मैं बॉडी लैंग्वेज और एक्सप्रेशंस को बखूबी समझती हूं। मुझे यह कहते हुए दुख हो रहा है कि आपकी टोन स्वीकार्य नहीं है। इसके बाद सभापति धनखड़ ने उन्हें रोकते हुए सीट पर बैठने के लिए कहा। धनखड़ ने आगे कहा, जया जी, आपने बहुत इज्जत कमाई है। एक ऐक्टर, डायरेक्टर के हिसाब से काम करता है। आप वह नहीं देख रही हैं, जो मैं यहां से देख रहा हूं। मैं हर रोज यह सब देखता हूं। उन्होंने कहा , आप कुछ भी होंगी। एक सेलेब्रिटी होंगी, लेकिन आपको डेकोरम समझना होगा। इसके बाद भी सदन में काफी देर तक शोर-शराबा होता रहा। राज्यसभा से वॉकआउट करने के बाद जया बच्चन ने सभापति पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मैंने सभापति की टोन पर आपत्ति की थी। हम कोई स्कूली बच्चे नहीं हैं। हममें से कुछ लोग वरिष्ठ नागरिक हैं। जया ने कहा कि जब नेता प्रतिपक्ष बोलने के लिए उठे तो उन्होंने माइक बंद कर दिया। इस बात पर भी काफी गुस्सा आया। आखिर वह ऐसा कर कैसे सकते हैं।

लोकसभा:136 प्रतिशत रही कार्य उत्पादकता

लोकसभा की कार्यवाही शुक्रवार को निर्धारित कार्य दिवसों से एक दिन पहले अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कार्यवाही स्थगित करने से पहले कहा कि बजट सत्र की कार्य उत्पादकता लगभग 136 प्रतिशत रही। बजट 2024-25 पर 27 घंटे 19 मिनट चर्चा की गई और उस पर मतदान किया गया। बजट सत्र के दौरान 96 तारांकित प्रश्नों के उत्तर दिए गए।

लोकतंत्र को अस्थिर करने का मंच नहीं बनने दिया जाएगा: धनखड़

सभापति जगदीप धनखड़ ने धनखड़ ने बाद में राज्य सभा के 265वें सत्र के समापन पर कहा कि वह हर सदस्य का बहुत सम्मान करते हैं और किसी के साथ कोई व्यक्तिगत मुद्दा नहीं है। उन्होंने कहा कि संसद के उच्च सदन को लोकतंत्र को अस्थिर करने का मंच नहीं बनने दिया जाएगा। श्री धनखड़ ने सदन में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे और भाजपा के घनश्याम तिवाड़ी के प्रकरण का उल्लेख करते हुए कहा कि भोजनावकाश के पश्चात सदन की कार्यवाही तीन बार स्थगित की गई। खरगे और तिवाड़ी की उपस्थिति में पूरा मामला सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझा लिया गया था। उन्होंने कहा, मैंने स्पष्ट रूप से यह विचार मन में रखा कि इस मुद्दे को सौहार्दपूर्ण ढंग से हल कर दिया गया है और अब इस पर और अधिक विचार करने की आवश्यकता नहीं है।" उन्होंने कहा कि विपक्ष के सदस्यों ने इस मुद्दे पर फिर बहिर्गमन किया है, जो परेशान करने वाला है। उन्होंने कहा कि तिवाड़ी के साथ इस मुद्दे पर अलग से कोई चर्चा नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि कर्तव्य का पालन किसी भी व्यक्तिगत चोट या भावनाओं से ऊपर है।

जरूरी खबर

ड्रग तस्करों से 115 करोड़ की टैबलेट व हेरोइन जब्त

असम। गुवाहाटी। असम में स्पेशल टास्क फोर्स ने करीमगंज पुलिस के साथ मिलकर ड्रग्स के खिलाफ शुक्रवार को बड़ा अभियान चलाया। इस दौरान करीमगंज जिले में 115 करोड़ रुपए मूल्य की 3.5 लाख याबा टैबलेट और 1.3 किलोग्राम संदिग्ध हेरोइन जब्त की गई। असम एसटीएफ के आईजी पार्थसारथी महंत ने कहा कि यह खेप पड़ोसी राज्य से लाई जा रही थी, जिसे देश के भीतर भेजने का प्रयास था। उन्होंने कहा, इन नशीले पदार्थों की कीमत उस वक्त बढ़ जाती है, जब वे अपने गंतव्य तक पहुंचा दिए जाते हैं। खास बात यह भी है कि इस बार ड्रग तस्करों ने अलग तरीका अपनाया। वे जिस ट्रक से यात्रा कर रहे थे, उसके गियर-बॉक्स के अंदर ड्रग्स से भरे पैकेट रखे गए थे। रिपोर्ट के मुताबिक, इस मामले में 4 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। चारों में से एक त्रिपुरा का रहने वाला है जबकि अन्य तीन करीमगंज जिले के हैं।

मालदीव पहुंचे विदेश मंत्री एस जयशंकर

नई दिल्ली। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर शुक्रवार को द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए तीन दिवसीय दौरे पर मालदीव पहुंचे। उन्होंने कहा कि मालदीव भारत की पड़ोसी पहले की नीति के तहत महत्वपूर्ण स्थान रखता है। मालदीव के विदेश मंत्री मूसा जमीर ने उनका एयरपोर्ट पर स्वागत किया। जयशंकर ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट अपनी मालदीव यात्रा की जानकारी दी। विदेश मंत्रालय ने कहा कि यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों के बीच घनिष्ठ साझेदारी को मजबूत करना और द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने के रास्ते तलाशना है।

शाही ईदगाह-कृष्ण जन्मभूमि केस में सर्वे पर रोक जारी

नई दिल्ली। सर्वोच्च न्यायालय ने शुक्रवार को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के एक आदेश के क्रियान्वयन पर रोक नवंबर तक बढ़ा दी। उच्च न्यायालय ने मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि मंदिर से सटे शादी ईदगाह मस्जिद परिसर की अदालत की निगरानी में सर्वेक्षण की अनुमति दी थी। न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायाधीश पीवी संजय कुमार की पीठ ने मामले की सुनवाई स्थगित करते हुए कहा कि इस मुद्दे पर व्यापक बहस की आवश्यकता है। इस महीने की शुरुआत में इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा जारी संबंधित आदेश को भी ध्यान में रखना होगा।

अमेरिका के संसदीय प्रतिनिधिमंडल की बिरला से भेंट

नई दिल्ली। अमेरिका के राज्य न्यू मेक्सिको की गवर्नर मिशेल लुजान ग्रिशम के नेतृत्व में एक संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से शिष्टाचार भेंट की। इस मुलाकात के दौरान दोनों देशों के बीच बेहतर संबंध स्थापित करने पर जोर दिया गया।

UAE से भारत लाया गया खालिस्तानी आतंकी

नई दिल्ली। खालिस्तान समर्थक आतंकी नेटवर्क के खिलाफ राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को बड़ी सफलता मिली है। एनआईए ने शुक्रवार को विदेश आधारित आतंकवादियों हरविंदर संधू (रिंडा) और लखबीर सिंह (लांडा) के एक प्रमुख सहयोगी को यूएई से प्रत्यर्पण कराने के बाद नई दिल्ली में गिरफ्तार कर लिया है। बब्बर खालिस्तान इंटरनेशनल के सदस्य तरसेम सिंह की वापसी के लिए इंटरपोल के साथ सीबीआई ने समन्वय किया था। वह मोहाली में पंजाब पुलिस के इंटेलीजेंस हेडक्वार्टर पर आरपीजी हमले और अन्य आतंकी मामलों में वांछित है। सीबीआई प्रवक्ता ने कहा कि तरसेम सिंह को एनआईए द्वारा अबूधाबी से वापस लाया गया।

SC-ST सांसद क्रीमीलेयर मसले पर मोदी से मिले, ज्ञापन सौंपा

SC-ST के लिए क्रीमीलेयर के प्रावधान पर विचार नहीं: केंद्र

एजेंसी | नई दिल्ली

सरकार ने कहा है कि उसका अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्गों को सरकारी नौकरियों और उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश के लिए दिए जाने वाले आरक्षण में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की तर्ज पर क्रीमी लेयर का प्रावधान करने का कोई विचार नहीं है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में शुक्रवार शाम हुई केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में यह निर्णय लिया गया। सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मंत्रिमंडल ने आरक्षण के संबंध में उच्चतम न्यायालय के हाल में आए आदेश पर विस्तार से चर्चा की । उन्होंने कहा कि इस दौरान उच्चतम न्यायालय द्वारा आरक्षण के प्रावधानों के संबंध में दिए गए सुझावों पर भी बातचीत हुई। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के संविधान में

अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के आरक्षण में क्रीमी लेयर का कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

इससे पहले भाजपा के अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति सासंदों के एक प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की मोदी से मुलाकात की और एससी और एसटी में क्रीमीलेयर की पहचान करने वाली सुप्रीम कोर्ट की व्यवस्था पर चिंता व्यक्त जताई। ये मुलाकात संसद भवन में हुई, जिसमें भाजपा के लोकसभा और राज्यसभा के एसटी एवं एसटी वर्ग के करीब 75 सांसद मौजूद थे। बैठक में प्रधानमंत्री ने एससी-एसटी समुदायों के कल्याण और सशक्तीकरण को लेकर अपनी प्रतिबद्धता और संकल्प को दोहराया। बैठक के बाद मोदी ने 'एक्स पर एक पोस्ट में कहा, एससी-एसटी सांसदों के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। एससी-एसटी समुदायों के कल्याण और सशक्तीकरण के लिए हमारी प्रतिबद्धता और संकल्प को दोहराया।

कोर्ट के फैसले को लेकर एससी-एसटी समुदाय में भ्रम

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार ज्ञापन में सांसदों ने पीएम से अपील की कि कोर्ट के फैसले को लेकर एससी एवं एसटी समाज में भ्रम है और इससे विसंगतियां आएगी। इसलिए इस फैसले को लागू नहीं किया जाना चाहिए। पीएम ने ज्ञापन पढ़ने के बाद सभी सांसदों को कहा कि क्रीमी लेयर को लेकर जो कोर्ट ने कहा है वो सिर्फ शीर्ष न्यायालय के जजों का सुझाव है और जजों की व्यक्तिगत राय है। पीएम ने स्पष्ट कहा कि केंद्र सरकार क्रीमी लेयर को लेकर कोर्ट के सुझाव को लागू नहीं करेगी। पीएम ने सासंदों को ये भी कहा कि केंद्र सरकार की आरक्षण व्यवस्था जारी रहेगी, कोर्ट के सुझाव का आरक्षण व्यवस्था पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

इसलिए है भाजपा चिंतित

दरअसल, लोकसभा चुनावों के बाद भाजपा हर कदम फूंक-फूंक कर रख रही है। लोकसभा चुनाव में विपक्ष ने एक नैरेटिव बनाया कि भाजपा के अगर 300 से ज्यादा सीटें आईं तो वह संविधान बदल देगी और आरक्षण खत्म कर देगी। इस नैरेटिव के चलते भाजपा को लोकसभा चुनाव में सीटों का नुकसान हुआ। भाजपा सांसदों का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले और टिप्पणी के बाद एक बार फिर से वहीं नैरेटिव बनाने की देश में कोशिश हो रही है। भजपा के एससी एवं एसटी सांसदों को क्षेत्र से ऐसे संदेश आ रहे है कि क्रीमी लेयर के नाम पर एससी एवं एसटी के आरक्षण का हक लेने की कोशिश हो रही है। यही वजह है कि भाजपा सांसदों ने पीएम से मिलकर ये मांग की।

बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा... भारत की पहल

गृह मंत्रालय ने गठित की समिति, बॉर्डर पर रखेगी नजर

एजेंसी | नई दिल्ली

केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने बंगलादेश की स्थिति को देखते हुए भारत-बंगलादेश सीमा पर नजर रखने के लिए सीमा सुरक्षा बल की पूर्वी कमान के अतिरिक्त महानिदेशक की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया है। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि बंगलादेश में जारी हालात के मद्देनजर मोदी सरकार ने भारत-बंगलादेश सीमा पर मौजूदा स्थिति पर नजर रखने के लिए एक समिति का गठन किया है। समिति बंगलादेश में अपने समकक्ष अधिकारियों के साथ संपर्क बनाए रखेगी ताकि वहां रहने वाले भारतीय नागरिकों, हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

गृह मंत्रालय ने शुक्रवार को इस समिति के गठन की जानकारी दी और कहा कि इसके अन्य सदस्यों में बीएसएफ फ्रंटियर मुख्यालय

दक्षिण बंगाल के महानिरीक्षक, बीएसएफ फ्रंटियर मुख्यालय त्रिपुरा के महानिरीक्षक , भारतीय भूमि पत्तन प्राधिकरण के सदस्य (योजना और विकास) सचिव शामिल हैं। यह समिति बंगलादेश में रहने वाले भारतीय नागरिकों और अल्पसंख्यक समुदायों के लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बंगलादेश के समकक्ष अधिकारियों के साथ संपर्क बनाए रखेगी। उल्लेखनीय है कि बंगलादेश में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफा देकर देश छोड़ने के बाद हालात बिगड़ गए थे। उपद्रवियों ने हसीना की आवामी लीग पार्टी से जुड़े लोगों तथा हिन्दू अल्पसंख्यकों और उनके धार्मिक स्थलों में तोड़फोड़ तथा आगजनी की।

हिजाब पर पाबंदी संबंधी कॉलेज परिपत्र पर आंशिक रोक... SC ने पूछा -

हिजाब पर प्रतिबंध तो तिलक-बिंदी पर क्यों नहीं!

एजेंसी | नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को मुंबई के एक कॉलेज के उस परिपत्र पर आंशिक रूप से रोक लगा दी है, जिसमें कॉलेज परिसर में 'हिजाब, बुर्का और नकाब' पहनने पर पाबंदी लगाई गई है। न्यायालय ने इसके साथ ही यह भी कहा कि छात्राओं को यह चयन करने की स्वतंत्रता होनी चाहिए कि वह क्या पहनें। न्यायालय ने एजुकेशनल सोसायटी की ओर से पेश वरिष्ठ

वकील माधवी दीवान से पूछा कि क्या छात्रों के नाम से उनकी धार्मिक पहचान उजागर नहीं होती? हालांकि, पीठ ने कहा कि छात्राओं को कक्षा के अंदर बुर्का पहनने की अनुमति नहीं दी जा सकती और न ही परिसर में किसी भी धार्मिक गतिविधि की अनुमति दी जा सकती है। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि शैक्षिक संस्थान छात्राओं पर अपनी पसंद को नहीं थोप सकते। न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायाधीश संजय कुमार की पीठ ने 'एन जी आचार्य और डी के मराठे कॉलेज' चलाने वाली 'चेंबूर ट्रॉम्बे एजुकेशन सोसाइटी' को नोटिस जारी किया और 18 नवंबर तक उसे जवाब तलब किया है। पीठ ने मुस्लिम छात्रों के लिए 'ड्रेस कोड' को लेकर उत्पन्न नए विवाद के केंद्र में आए कॉलेज प्रशासन से कहा, छात्राओं को यह चयन करने की आजादी होनी चाहिए कि वे क्या पहनें और कॉलेज उन पर दबाव नहीं डाल सकता। पीठ ने कहा कि अगर कॉलेज का इरादा छात्राओं की धार्मिक आस्था के प्रदर्शन पर रोक लगाना था, तो उसने 'तिलक' और 'बिंदी' पर प्रतिबंध क्यों नहीं लगाया।

7 राज्य... 8 नई रेलवे लाइन को मंजूरी

एजेंसी | नई दिल्ली

सरकार ने करीब 900 किलोमीटर की 8 नई रेलवे लाइन बिछाने की एक महत्वाकांक्षी योजना को शुक्रवार को मंजूरी दे दी है जो पूर्वी भारत में आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने एवं रोजगार सृजित करने में महत्वपूर्ण योगदान देंगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने रेल मंत्रालय की इन आठ परियोजनाओं को मंजूरी दी जिनकी कुल अनुमानित लागत 24,657 करोड़ रुपए है। ये परियोजनाएं पांच से छह साल में पूरी करने का लक्ष्य है।

रेल, सूचना प्रसारण एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि नई लाइन के प्रस्ताव सीधी कनेक्टिविटी प्रदान करेंगे। वैष्णव ने कहा कि सात राज्यों यानी ओडिशा, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, झारखंड, बिहार, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल के 14 जिलों को कवर करने वाली आठ परियोजनाएं भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क को 900 किलोमीटर तक बढ़ा देंगी।

रूसी सेना में शामिल 69 भारतीयों की रिहाई का इंतजार

नई दिल्ली। सरकार ने शुक्रवार को कहा कि रूसी सेना में भारत के 91 नागरिकों को भर्ती किया गया था जिनमें से आठ जान गंवा चुके हैं और 14 को छुट्टी दी जा चुकी है जबकि बाकी 69 भारतीय रिहाई की प्रतीक्षा कर रहे हैं। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने लोकसभा में शुक्रवार को प्रश्नकाल के दौरान यह जानकारी दी।

वायनाड त्रासदी

जमीन से आ रही रहस्यमयी आवाज, दहशत में लोग

एजेंसी | वायनाड

केरल के भूस्खलन प्रभावित वायनाड जिले में विभिन्न स्थानों पर शुक्रवार सुबह जमीन के नीचे से रहस्यमय आवाज सुनाई दी। अधिकारियों ने बताया कि अंबालावायल गांव और व्यथिरी तालुक के कुछ इलाकों में तेज आवाज सुनाई दी। पंचायत के एक सदस्य ने कहा कि यह आवाज सुबह करीब 10:15 बजे सुनी गई।

जमीन के नीचे से रहस्यमयी आवाज से स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। कोझिकोड जिले के कुडुएरिंजी में भी ऐसी ही घटनाएं सामने आईं। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी ने घटना की जांच के बाद कहा यह भूकंप नहीं था। चिंता की बात नहीं है। केरल राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने भी भूकंप की संभावना को खारिज कर दिया। जिलाधिकारी डीआर. मेघश्री ने कहा कि जिला प्रशासन ने प्रभावित क्षेत्रों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए कदम उठाए हैं। इस बीच, भूस्खलन के बाद लापता 152 लोगों की तलाश जारी है।

दूसरी ओर, केरल हाई कोर्ट ने मीडिया रिपोर्टों और उसे प्राप्त पत्र के आधार पर स्वतः संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज करने का फैसला किया है। इसमें कहा गया कि वायनाड और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील अन्य क्षेत्रों में बेलगाम दोहन किया गया है।

पीएम मोदी आज करेंगे भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों का दौरा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 10 अगस्त को केरल के वायनाड में भूस्खनल से प्रभावित हुए इलाकों का दौरा करने जाएंगे। पीएम इस भीषण हादसे में हुई तबाही और आपदा का हवाई सर्वेक्षण करेंगे। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इसके लिए पीएम मोदी को धन्यवाद दिया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा, 'मोदी जी, वायनाड में हुई भयानक त्रासदी का व्यक्तिगत रूप से जायजा लेने के लिए आपका धन्यवाद। यह एक अच्छा निर्णय है।

तीन घंटे तक किया भरतनाट्यम, एकत्र राशि राहत कोष में

तमिलनाडु की किशोरी हरिणी श्री ने वायनाड में भूस्खलन के पीड़ितों के लिए धन जुटाने के लिए लगातार तीन घंटे तक भरतनाट्यम नृत्य किया। केरल जनसंपर्क विभाग ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि तमिलनाडु की किशोरी हरिणी श्री ने इस प्रदर्शन से एकत्रित धन और अपनी बचत से वायनाड भूस्खलन पीड़ितों के लिए केरल मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष में 15 हजार रुपए का दान दिया।

बैंकिंग कानून संशोधन विधेयक पेश

बैंक खाते में चार नॉमिनी दर्ज कराने का प्रावधान

एजेंसी | नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को लोकसभा में बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 पेश किया है। इस विधेयक में ऐसा प्रावधान किया गया है कि हरेक बैंक खाताधारक एक खाते के लिए चार 'नॉमिनी' तक दर्ज करा सकेगा। अभी तक एक बैंक खाते में एक ही नॉमिनी का उल्लेख करने का नियम है। अगर यह बिल संसद से पारित होता है तो अब नॉमिनी को बढ़ाकर चार तक किया जा सकता है। हालांकि, यह वैकल्पिक प्रावधान होगा। प्रस्तावित विधेयक में एक और बड़े बदलाव की बात कही गई है। इसके तहत कंपनी के निदेशकों के सबस्टेंशियल इंटरेस्ट (substantial interest) को फिर से परिभाषित किया गया है और इसके तहत 5 लाख रुपए की वर्तमान सीमा को बढ़ाकर 2 करोड़ रुपए तक किया गया है, जो लगभग छह दशक पहले तय की गई थी।

लोकसभा में विपक्ष के कुछ सदस्यों ने सदन में यह विधेयक पेश किये जाने का विरोध किया। कांग्रेस के मनीष तिवारी ने कहा कि सहकारी समितियों और सहकारी बैंकों से जुड़े कानूनों में संशोधन का अधिकार राज्यों को है। उन्होंने इस संबंध में विधायी अधिकारों को लेकर अस्पष्टता की भी बात कही। उन्होंने कहा, सहकारी समितियों पर केंद्र नियंत्रण कर सकता है या नहीं, इस पर विरोधाभास है।

फिल्म मेकर टाक की याद में कार्यक्रम... बॉलीवुड के कलाकारों-कॉमेडियन ने की शिरकत

'सावन' की याद में सजाई गीतों भरी शाम की अरज-'बरखा रानी जरा जमके बरसो'

बेधड़क.जयपुर। जाने-माने फिल्म मेकर सावन कुमार टाक की याद में महाराणा प्रताप ऑडिटोरियम में शुक्रवार को जयपुर में पहली बार उनकी फिल्मों के सुपरहिट गीतों से भरी शाम सजाई गई। कार्यक्रम में उषा खन्ना, पद्मिनी कोल्हापुरे, अनिल धवन, जुगनू और अहसान कुरैशी सहित कई फिल्मी हस्तियों ने शिरकत की। वहीं, गायक विपिन सचदेव, रवीन्द्र शिन्दे, ममता सिंह, डिंपल वर्मा और प्यारे चौहान ने सावन कुमार की फिल्मों के हिट गीत सुनाए। इस मौके पर संगीतकार और सावन कुमार की पत्नी उषा खन्ना, फिल्म अभिनेत्री पद्मिनी कोल्हापुरे, अभिनेता अनिल धवन मौजूद रहे।

दर्शाया सावन कुमार का संघर्ष

सावन कुमार टाक के भांजे नवीन टाक ने बताया कि मंच संचालक प्रीति सक्सेना ने डॉक्यूमेंट्री के जरिए सावन कुमार के संघर्ष को दिखाया। भांजे सुनील टाक ने एक कविता समर्पित करते हुए पूरे परिवार का परिचय करवाया। ममता सिंह की सुरीली आवाज में 'जिन्दगी प्यार का गीत है' से प्रोग्राम की शुरुआत हुई। शिंदे ने अपनी आवाज दि 'चांद सितारे', 'कौन सुनेगा' और 'मधुबन खुशबू देता है' सुनाकर सावन कुमार की याद फिर से ताजा कर दी।

जयपुर के थे सावन कुमार

सावन कुमार का 25 अगस्त 2022 को 86 साल की उम्र में निधन हो गया था। जयपुर में उनसे बातचीत का अंतिम कार्यक्रम राजस्थान फोरम की ओर से 20 मई, 2019 को आयोजित किया गया था। बता दें कि सावन कुमार जयपुर के थे। उनके निर्देशन में फिल्म सौतन, सनम बेवफा, साजन की सहेगी और चांद का टुकड़ा ने खूब धूम मचाई। सावन कुमार ने कई गीत भी लिखे।

लहरिया उत्सव मनाया

बेधड़क. जयपुर। नारायणी दादी सेवा संघ का लहरिया उत्सव संस्थापिका अरुणा दीदी के सानिध्य में डीसीएम अजमेर रोड स्थित एक होटल में मनाया गया। इस दौरान नारायणी दादी सेवा संघ की करीब 100 से अधिक महिला सदस्यों ने तीज महोत्सव को सेलिब्रेट किया। संघ की सदस्य और कार्यक्रम संयोजक मीनाक्षी अग्रवाल ने बताया कि लहरिया उत्सव में संघ की सभी महिलाओं का लहरिया ओढ़ाकर स्वागत किया। वहीं, महिलाओं ने सावन के गानों पर झूम झूम पर नृत्य किया। इस दौरान कई गेम्स भी खेले गए। प्रतियोगिता में जीतने वाली महिलाओं को गिफ्ट प्राइस भी दिए गए। कार्यक्रम में महिलाओं को मिसेज लहरिया, बेस्ट डांस, सोलह श्रृंगार, बनी-ठनी से भी नवाजा गया। वहीं, महिलाओं ने रैंप वॉक भी किया।

मैराथन में दौड़ेंगे नामी धावक

बेधड़क. जयपुर। जयपुर मैराथन के 16वें संस्करण के लिए पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू की गई। 2 फरवरी 2025 को होने वाली मैराथन के लिए अभी टाइम्ड कैटेगरी और वर्चुअल कैटेगरी के ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन प्रारंभ किए गए हैं। ड्रीम रन के रजिस्ट्रेशन नवंबर में शुरू किए जाएंगे। रजिस्ट्रेशन www.marathonjaipur.com पर जाकर किए जा सकते हैं। संजय अग्रवाल, प्रेसिडेंट पं. सुरेश मिश्रा और वर्ल्ड ट्रेड पार्क चेयरमैन अनूप बरतरिया ने कहा कि मैराथन सिर्फ एक दौड़ नहीं है। यह जयपुर की स्पिरिट का त्योहार है। गौरतलब है कि वर्चुअल रन में सभी कैटेगरी के लिए रजिस्ट्रेशन किए जा सकते हैं और सभी कैटेगरी में कुछ समय के लिए रजिस्ट्रेशन के लिए विशेष छूट दी जा रही है।

नेशनल पेंशन सिस्टम पर सेशन

बेधड़क. जयपुर। पेंशन का लाभ पहले केवल सरकारी कर्मचारियों को ही मिलता था, नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) की शुरुआत के बाद अब यह लाभ सभी को मिल रहा है' यह बात पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी (पीएफआरडीए) चेयरपर्सन डॉ. दीपक मोहंती ने कही। वे जयपुर में फिक्की राजस्थान स्टेट काउंसिल द्वारा पीएफआरडीए के सहयोग से आयोजित कॉर्पोरेट्स के लिए एनपीएस पर सेशन में बोल रहे थे। पीएफआरडीए चीफ जरनल मैनेजर सुमित कुमार ने एनपीएस की विशेषताओं जैसे आकर्षक रिटर्न, पोर्टेबल यूनीक पीआरएएन, कम लागत, फ्लेक्सिबल विकल्प और कर दक्षता पर प्रकाश डाला।

City इवेंट्स

पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

बेधड़क. जयपुर। दयालेश्वर महादेव मंदिर गांव दयालपुरा पोस्ट वाटिका तहसील सांगानेर सुरेश, बिरदी चंद, लादू राम, बाबू लाल, नानकराम द्वारा 50 पौधे लगाकर ग्रामवासियों को प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया।

FTGJ के त्रिवार्षिक चुनाव आज

बेधड़क. जयपुर। फेडेरेशन ऑफ टूरिस्ट गाइड्स जयपुर के त्रिवार्षिक चुनाव शनिवार 10 को होंगे। मुख्य चुनाव अधिकारी आशू सिंह शेखावत, महेश शर्मा, युसुफ खान और दौलत सिंह हाड़ा के समक्ष पार्वती मार्ग पश्चिम विहार वैशाली नगर में दोपहर 1 से सांय 5 बजे तक वोटिंग होगी। उन्होंने संगठन के सभी 127 सदस्यों से अपील की कि मतदान मतपेटी या ऑनलाइन रूप से पूर्ण करें। जनरल सेक्रेटरी जितेन्द्र सिंह शेखावत ने बताया कि सदस्यों के लिए मतदान स्थल पर तमाम व्यवस्थाएं की गई हैं।

'वननेस वन' में लगाएंगे सैकड़ों पेड़

बेधड़क. जयपुर। प्रकृति संतुलन एवं पर्यावरण संरक्षण हेतु 'वननेस वन' परियोजना के अंतर्गत 'मेगा वृक्षारोपण अभियान' के तहत 11 अगस्त को जोन 20 बी में प्रातः 7:00 बजे से राजापार्क (हसनपुरा, जवाहर नगर), दूदू, लालसोट, कानोता और प्रतापनगर के सहयोग से सार्वजनिक स्थानों, पार्कों में सैकड़ों छायादार, फलदार पेड़ लगाए जाएंगे। संत निरंकारी मण्डल का यह हरित विश्व की ओर एक सार्थक कदम कार्यक्रम है। यह आयोजन संत निरंकारी मिशन की सतगुरु माता सुदीक्षा एवं निरंकारी राजपिता के मार्गदर्शन में संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन द्वारा देश भर में चलाया जा रहा है। मंडल के सचिव जोगिंदर सुखीजा ने बताया कि समाज कल्याण के लिए आवश्यक इस महाअभियान में मिशन के सभी अनुयायी एवं स्वयंसेवक मिलकर लगभग 20 हजार के करीब वृक्षों को रोपित करेंगे।

डेलिगेट्स कर रहे केपेसिटी बिल्डिंग पर चर्चा

गुणवत्ता बढ़ाने के लिए स्कूलों को बदलने पर ध्यान देने की जरूरत

बेधड़क | जयपुर

'शिक्षा की गुणवत्ता को सही मायने में बढ़ाने के लिए हमें न केवल बड़े संस्थानों, बल्कि छोटे स्कूलों को बदलने पर ध्यान देने की जरूरत है। शिक्षकों के लिए क्षमता निर्माण (कपैसिटी बिल्डिंग) में निवेश करना महत्वपूर्ण है, जिससे उन्हें पारंपरिक, थ्योरी-आधारित शिक्षण से अधिक प्रैक्टिकल, क्रियाशील एप्रोच अपनाने में सक्षम बनाया जा सके।' यह बात काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन (सीआईएससीई) के सीईओ व सचिव डॉ. जोसेफ इमेनुएल ने कही। वह राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में 9 से 10 अगस्त तक आयोजित स्कून्यूज ग्लोबल एजुकेटर्स फेस्ट (एसजीईएफ) के छठे सीजन के उद्घाटन सत्र में संबोधित कर रहे थे। सीजन फेस्ट का आयोजन 'कम्पेन्टेनसीस बियॉन्ड कंटेंट: अलाइनिंग टूडेज करिक्यूलम विथ टुमॉरोज अननोन' थीम पर किया जा रहा है। स्कून्यूज संस्थापक व सीईओ रवि संतलानी ने बताया कि फेस्ट में 1000 से ज्यादा डेलिगेट्स भाग ले रहे हैं। साथ ही 500 से ज्यादा स्कूल लीडर्स, 400 शिक्षक और 400 युवा एसजीईएफ 2024 का हिस्सा होंगे।

उन्होंने बताया कि कॉन्फ्रेंस में सभी चर्चाओं का पूरी बारीकी से डॉक्यूमेंटेशन किया गया। नेचर नर्चर के सह-संस्थापक अक्षल अग्रवाल ने किंडरगार्टन से हार्वर्ड तक की अपनी यात्रा साझा की।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने बनाया विश्व रिकॉर्ड

दो दिन में 2284 खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर जांचे लाइसेंस

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान के खाद्य सुरक्षा विभाग ने विश्व रिकॉर्ड बनाया है। विभाग ने यह उपलब्धि 'शुद्ध आहार, मिलावट पर वार' अभियान के तहत सम्पूर्ण राजस्थान में एक साथ चलाए गए दो दिवसीय फूड लाइसेंस जांच अभियान में राजस्थान के संपूर्ण जिलों के 98 खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा दो दिन में 2284 खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर हासिल की। बता दें कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर चिकित्सा मंत्री गजेंद्र खींवसर एवं विभग की अति. मुख्य सचिव शुभ्रासिंह के मार्गदर्शन एवं खाद्य आयुक्त इकबाल खान के सुपरविजन और अतिरिक्त खाद्य आयुक्त पंकज ओझा के नेतृत्व में यह अभियान चलाया गया। खाद्य सुरक्षा विभाग के अति आयुक्त पंकज ओझा ने बताया कि 7 अगस्त को 1090 और 8 अगस्त 1194 प्रतिष्ठानों का सघन निरीक्षण कर 2 दिन में 2284 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान जांच कर नोटिस दिए गए। खाद्य लाइसेंस सही ढंग से डिस्प्ले न करने, उसकी पालना न करने और गंदगी आदि पाए जाने पर खाद्य संस्थानों को नोटिस दिया गया। इसमें 57 प्रतिष्ठानों पर खाद्य लाइसेंस नहीं पाए गए उनके विरुद्ध भी कार्रवाई की गई। विश्व रिकार्ड बनाने वाली संस्था द्वारा भी इसे दर्ज करने पर सहमति प्रदान कर दी गई है। जल्द ही संस्था प्रमाण पत्र खाद्य सुरक्षा विभाग को प्रदान करेगी।

नाटक **'एक अजीब दास्तां' में आडंबरी लोगों के बहकावे में नहीं आने का दिया संदेश**

आश्रम धर्म की दुकान, संत व्यापारी और जनता ग्राहक

बेधड़क | जयपुर

रवींद्र मंच के 60 वर्ष पूर्ण होने पर हीरक जयंती समारोह में कला व संस्कृति विभाग तथा रवींद्र मंच की ओर से टैगोर थिएटर योजना में नाटक 'एक अजीब दास्तां' का मंचन किया गया। नाटक महान दार्शनिक नित्शे के बयान व ओशो की टिप्पणियों पर आधारित रहा। यह दिखाने का प्रयास किया गया है कि कुछ चालक लोगों ने धर्म का कारोबार शुरू कर दिया है। आस्था और विश्वास के जाली उपदेश देकर हजारों लोगों के भावनाओं से खेल रहे हैं। आश्रम इनकी दुकान है। संत व्यापारी और हमारे जैसे भाले लोग उनके ग्राहक हैं। इन लोगों ने नकली ईश्वर ईजाद कर लिए हैं और हम उन नकली ईश्वर के प्रेम में पागल हो रहे हैं।

धंधे का नाम धर्म रख लिया

उन्होंने अपने धंधे का नाम धर्म रख लिया है और सेल्समैन को ईश्वर का नाम दे दिया है। धर्म की इस फैक्ट्री में भ्रम के ईश्वर का निर्माण किया जा रहा है, जिस प्रकार देश की अर्थव्यवस्था में नकली नोट अर्थव्यवस्था को खोखला कर देते हैं। उसी प्रकार नकली ईश्वर धर्म की व्यवस्था के लिए धीमा जहर है। नाटक में एक आरोपी है जिसका कहना है कि उसने ईश्वर की हत्या की है। उसके लिए उसे पुरस्कार मिलना चाहिए पर अंत में उसे एहसास होता है कि उसने अपने धर्म के ईश्वर की नहीं, बल्कि अपने भ्रम के ईश्वर की हत्या की है।

इन कलाकारों ने निभाए किरदार

नाटक में संदेश दिया गया कि आडंबरी लोगों के बहकावे में नहीं आए और अज्ञानता को मिटाते हुए अपने धर्म पर अडिग रहे। कलाकारों के रूप में मनीषा अग्रवाल ने जज का व गौरव खंडेलवाल ने वकील का तथा महेश महावर ने आरोपी का दमदार अभिनय किया। रूप सजा नरेंद्र सिंह बबल, मंच सामग्री व वेशभूषा चंद्र किरण की रही।

पोस्टल रजि. नं. : जयपुर सिटी/006/2023-25

न्यूज़ बेधड़क

सच बेधड़क
जयपुर, शनिवार, 10 अगस्त, 2024

प्रेम में की गई लड़ाई और प्रेम के लिए की गई लड़ाई, दोनों हमें हमारा मोल बताती हैं।
विनायक शर्मा, फाउंडर एंड एडिटर इन चीफ, सच बेधड़क मीडिया ग्रुप

संयुक्त राष्ट्र ने कहा- हम नस्ली आधार पर हिंसा के खिलाफ, हिंसा पर तुरंत हो नियंत्रण

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले को लेकर UN सख्त

संयुक्त राष्ट्र। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमले को लेकर संयुक्त राष्ट्र ने सख्त रुख अख्तियार किया है। बता दें कि बांग्लादेश में हिंसा के दौरान अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय को भारी प्रताड़ना दी जा रही है। इसमें महिलाओं और बच्चियों के साथ रेप, लोगों की हत्या, घर जलाना, तोड़फोड़, मारपीट जैसे कृत्य शामिल हैं। हिंदुओं पर इन हमलों की घटनाओं के बीच, संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटरेस के एक प्रवक्ता ने कहा कि वह नस्ली आधार पर होने वाले किसी भी तरह के हमले या हिंसा भड़काने के खिलाफ हैं। उन्होंने इसके लिए बांग्लादेश के लोगों को निशाने पर लिया है। महासचिव के उप प्रवक्ता फरहान हक ने गुरुवार को यहां कहा, 'यह स्पष्ट है कि हम सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हाल के सप्ताह में बांग्लादेश में जो हिंसा हो रही है उस पर नियंत्रण पाया जाए।

निश्चित रूप से हम नस्ल आधार पर किसी भी तरह के हमले या हिंसा भड़काने के खिलाफ हैं।' वह बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों पर हो रहे हमलों के संबंध में महासचिव की प्रतिक्रिया से जुड़े सवालों के जवाब दे रहे थे। सोमवार को प्रधानमंत्री शेख हसीना के पद से इस्तीफा देने और देश छोड़कर भारत आ जाने के बाद से जारी हिंसा में कई हिंदू मंदिरों, घरों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों में तोड़फोड़ की गई है।

क्या हसीना फिर लड़ेंगी चुनाव!

अमेरिका में रहने वाले हसीना के बेटे सजीब वाजेद जॉय ने कहा, "फिलहाल, वह (हसीना) भारत में हैं। जैसे ही अंतरिम सरकार चुनाव कराने का फैसला करेगी, वह बांग्लादेश वापस चली जाएंगी। उन्होंने यह नहीं बताया कि 76 वर्षीय हसीना चुनाव लड़ेंगी या नहीं। जॉय ने कहा, "मेरी मां मौजूदा कार्यकाल के बाद ही राजनीति से संन्यास ले लेतीं।" "मेरी कभी कोई राजनीतिक महत्वाकांक्षा नहीं थी और मैं अमेरिका में बस गया था, लेकिन पिछले कुछ दिनों में बांग्लादेश में हुए घटनाक्रम से पता चलता है कि वहां नेतृत्व का शून्य है। मुझे पार्टी की खातिर सक्रिय होना पड़ा और मैं सबसे आगे हूं।"

बांग्लादेश में 2 हिंदू नेताओं की हत्या

भीषण हिंसा के दौरान अवामी लीग से जुड़े कम से कम दो हिंदू नेताओं की हत्या कर दी गई। नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस को अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ दिलाए जाने पर हक ने संयुक्त राष्ट्र की 'सरकार बनाने की एक समावेशी प्रक्रिया' की आशाओं का उल्लेख किया और कहा, 'हम उम्मीद बरकरार रखे हुए हैं। शांति बहाली का कोई भी संकेत एक अच्छी चीज है।' जब उनसे पूछा गया कि क्या महासचिव गुतारेस ने यूनुस को बधाई दी है या फोन पर बात की है? तो हक ने कहा कि गुतारेस ने उनसे बात नहीं की है, लेकिन बांग्लादेश में संयुक्त राष्ट्र की स्थानीय समन्वयक ग्विन लुईस शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुई थीं। हक ने कहा, 'निश्चित रूप से, वह और देश की टीम सक्रिय तौर पर यह सुनिश्चित कर रही है कि जमीनी स्तर पर परिवर्तन शांतिपूर्ण हो।' पिछले कुछ सप्ताहों में बांग्लादेश में हुई हत्याओं की जांच का हिस्सा बनने के लिए संयुक्त राष्ट्र से किए गए अनुरोध पर हक ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र गौर करेगा कि गठित होने वाली किसी भी नई सरकार से उसे किस प्रकार का औपचारिक अनुरोध प्राप्त होता है।

चुनाव के लिए बांग्लादेश पहुंचेंगी शेख हसीना!

बांग्लादेश की पूर्व प्रधान मंत्री शेख हसीना अब जल्द अपने देश लौट आएंगी। नई कार्यवाहक सरकार बनने के बाद बांग्लादेश चुनाव के लिए हसीना स्वदेश लौटेंगी। पूर्व प्रधानमंत्री के बेटे की ओर से यह दावा किया गया है। उनके बेटे ने यह जरूर कहा है कि वह अगले चुनाव के लिए बांग्लादेश वापस आएंगी। मगर यह स्पष्ट नहीं किया है कि हसीना चुनाव लड़ेंगी या नहीं। बता दें कि बांग्लादेश में आरक्षण के विरोध में शुरू हुए छात्रों के देश व्यापी विरोध प्रदर्शन से हालात इतने खराब हो गए कि पूर्व प्रधानमंत्री को अपना देश छोड़कर जाना पड़ गया। फिलहाल शेख हसीना भारत में शरण लिए हुई हैं।

हिंसा, आगजनी और अल्पसंख्यकों की हत्याएं जारी

इधर, बांग्लादेश में भयानक हिंसा, आगजनी, तोड़फोड़ और अल्पसंख्यकों की हत्याओं का सिलसिला अभी भी जारी है। बांग्लादेश में हफ्तों के घातक विरोध प्रदर्शन के बाद हसीना को पद छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा था। इसके बाद बीते सोमवार को वह भारत आ गई थी। फिर उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद बांग्लादेश के राष्ट्रपति ने नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस को अंतरिम सरकार का मुखिया नियुक्त कर दिया। अब यूनुस के नेतृत्व में कार्यवाहक सरकार ने शपथ ग्रहण कर लिया है।

रूस-यूक्रेन युद्धः रूस की पलटवार कोशिश नाकाम

यूक्रेनी सेना घुसी रूस में

एजेंसी | मॉस्को/कीव

रूस की सेना गुरुवार को तीसरे दिन भी यूक्रेन के सैनिकों से जूझती रहीं. यूक्रेन के सैनिकों ने कुर्स्क इलाके में रूसी सीमा को तोड़ दिया। रूसी अधिकारियों के मुताबिक, दो साल पुराने युद्ध में रूस पर सबसे बड़े यूक्रेनी हमलों में से एक में, लगभग 1,000 यूक्रेनी सैनिकों ने 6 अगस्त की सुबह टैंकों और बख्तरबंद वाहनों के साथ रूस की सीमा में घुसपैठ की, जो हवा में ड्रोन और भारी तोपखाने के झुंड से घिरे हुए थे।

सुदजा शहर के पास भयंकर लड़ाई की खबर है, जहां से रूस की प्राकृतिक गैस यूक्रेन में प्रवाहित होती है। रूस के राष्ट्रपति पुतिन द्वारा फरवरी 2022 में यूक्रेन में अपनी सेना भेजे जाने के करीब ढाई साल बाद, यूक्रेन का यह कदम रूस के लिए एक झटका है। पुतिन ने यूक्रेनी हमले को 'बड़ी उकसावे वाली कार्रवाई' बताया है।

क्रेमलिन के प्रति वफादार राजनीतिक दल के नेता सर्गेई मिरोनोव ने इसे 'आतंकवादी हमला' और 'अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त विदेशी इलाके पर आक्रमण' कहा है। कुर्स्क के क्षेत्रीय कार्यवाहक गवर्नर एलेक्सी स्मिरनोव ने कहा कि हजारों निवासियों को निकाला गया है।

यूक्रेन ने मार गिराए रूस के 27 ड्रोन

कीवः यूक्रेन की सेना ने रूस के भीषण पलटवार की कोशिश को फेल कर दिया है। बता दें कि अपनी सीमा में यूक्रेनी सैनिकों की घुसपैठ के बाद रूस ने कीव पर भीषण पलटवार किया था। रूसी सेना ने रात भर में कई ड्रोन लॉन्च किए। मगर यूक्रेन का दावा है कि रूस की ओर से छोड़े गए सभी 27 रूसी हमलावर ड्रोनों को नष्ट कर दिया गया। वहीं रूसी सीमा क्षेत्र में आज लगातार तीसरे दिन दोनों सेनाओं के बीच भीषण जंग जारी है।

यूक्रेन के 300 से ज्यादा सैनिक घुसे

यूक्रेन के 300 से ज्यादा सैनिकों ने 11 टैंकों और 20 बख्तरबंद वाहनों के साथ रूस में घुसपैठ की थी। रूस के रक्षामंत्रालय की ओर से यह दावा किया गया है। रूस के कुर्स्क क्षेत्र के अधिकारी ने कहा कि उस क्षेत्र में लड़ाई अब भी जारी है, जहां इस सप्ताह यूक्रेनी सेना ने घुसपैठ की थी। कुर्स्क के कार्यवाहक डिप्टी गवर्नर आंद्रेई बेलोस्तोत्स्की ने कहा कि रूसी सेना यूक्रेनियों को क्षेत्र में आगे बढ़ने से रोकने के लिए संघर्ष कर रही है।

इराक बना रहा अजीबोगरीब कानून

9 साल की लड़कियों की शादी को मंजूरी!

■ प्रस्ताव पेश, अभी शादी के लिए उम्र है 18 साल

एजेंसी | बगदाद

इराक की संसद में एक अजीबोगरीब विधेयक पेश करके सरकार ने सबको चौंका दिया है। इराक अब अपने देश में सिर्फ 9 साल की उम्र की लड़कियों की शादी को मंजूरी देने वाला प्रस्ताव पेश किया है। अगर यह पारित हो जाता है तो 9 साल की छोटी बच्चियों के साथ कोई भी वहां शादी कर सकेगा। इस प्रस्तावित विधेयक ने व्यापक आक्रोश और चिंता पैदा कर दी है, क्योंकि इसमें लड़कियों की शादी की कानूनी उम्र को घटाकर सिर्फ 9 साल करने का प्रावधान है।

प्रस्ताव में लड़के की उम्र 15 वर्ष से कम

रिपोर्ट के मुताबिक इसे इराक के न्याय मंत्रालय द्वारा पेश किया गया है। इस विवादास्पद कानून का उद्देश्य देश के 18 वर्ष वाले कानून में संशोधन करना है, जो वर्तमान में शादी के लिए न्यूनतम 18 वर्ष की आयु निर्धारित करता है। यह विधेयक नागरिकों को पारिवारिक मामलों पर निर्णय लेने के लिए धार्मिक अधिकारियों या नागरिक न्यायपालिका चुनने की अनुमति देगा। यदि पारित हो जाता है तो यह विधेयक 9 वर्ष से कम उम्र की लड़कियों और 15 वर्ष से कम उम्र के लड़कों को शादी करने की अनुमति देगा।

आलोचना हो रही इस कदम की

मानवाधिकार संगठनों, महिला समूहों और नागरिक समाज कार्यकर्ताओं ने युवा लड़कियों की शिक्षा, स्वास्थ्य के लिए गंभीर परिणामों की चेतावनी देते हुए विधेयक का पुरजोर विरोध किया है। उनका तर्क है कि बाल विवाह से स्कूल छोड़ने की दर बढ़ जाती है, जल्दी गर्भधारण हो जाता है और घरेलू हिंसा का खतरा बढ़ जाता है। यूनिसेफ के मुताबिक, इराक में 28% लड़कियों की शादी 18 साल से पहले ही कर दी जाती है।

सृष्टिविनायक एंटरटेनमेंट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक मिताली यादव द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 34/16-ए, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, रेलवे क्रॉसिंग टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
संपादकः विनायक शर्मा*, **फोन नं. :** 9664014179 (ऑफिस), **ई-मेलः** news@sachbedhadak.com, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

दैनिक हिन्दी अख़बार
सच बेधड़क

"सच बेधड़क" दैनिक हिन्दी अख़बार की प्रति PDF के माध्यम से मुफ़्त प्राप्त करने के लिए इस लिंक पर Click कीजिए

Telegram

https://rb.gy/3bkrnl